PREPARED BY: MR. MEGHRAJ MEENA,PGT HINDI(KVS)

CLASS 11 HINDI LESSON PLAN

Name of chapter: कबीर - पहला पद

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी प्रवक्ता

Class: 11

Subject: हिंदी (कोर्स-A)

Source of lesson plan: स्व (self) – एनसीईआरटी कक्षा 11 'आरोह' पाठ्यपुस्तक एवं व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव

Concept 1: स्व (self) – 'कबीर का जीवन और दर्शन'

Concept 2: स्व (self) – 'पद की भाषा, शैली एवं प्रतीक'

Concept 3: स्व (self) – 'पद का भावार्थ एवं समकालीन प्रासंगिकता'

Name of chapter: कबीर - पहला पद

Number of periods required: 2

Concepts (स्व/self)

- कबीर के जीवन, सामाजिक परिवेश और उनके भक्ति आंदोलन में योगदान को समझना।

- कबीर के पदों में प्रयुक्त भाषा, प्रतीक, शैली और काव्य सौंदर्य का विश्लेषण।

- कबीर के पहले पद का भावार्थ, उसका संदेश और आज के समाज में उसकी प्रासंगिकता।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी कबीर के पहले पद का आशय और संदेश स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।

- कबीर की भाषा, प्रतीक और शैली की पहचान कर उनका विश्लेषण कर सकेंगे।

- पद्यांशों का भावार्थ अपने शब्दों में लिख सकेंगे।

- कबीर के विचारों की समकालीन समाज में प्रासंगिकता को समझ सकेंगे।

- पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर मौखिक व लिखित रूप में दे सकेंगे।

Pedagogical strategies

- कविता का वाचन, भावार्थ और पंक्ति दर पंक्ति चर्चा।

- समूह चर्चा: कबीर के दर्शन की आज के समाज में आवश्यकता।

- प्रश्नोत्तर सत्र: पाठ्यपुस्तक आधारित एवं उच्च-स्तरीय सोच वाले प्रश्न।

- रचनात्मक लेखन: कबीर के विचारों पर निबंध/अनुच्छेद।

- पोस्टर/चित्र द्वारा कबीर के संदेश का प्रस्तुतीकरण।

Integration with other subjects

- *इतिहास:* भक्ति आंदोलन, मध्यकालीन समाज।

- *दर्शन:* कबीर के विचारों का दार्शनिक विश्लेषण।

- *कला:* पद पर आधारित चित्र/पोस्टर निर्माण।

- *नैतिक शिक्षा:* सामाजिक समरसता, मानवता।

- *संस्कृत/अंग्रेज़ी:* कबीर के विचारों की तुलना अन्य संस्कृतियों/कवियों से।

Assessment (item format)

- पद का भावार्थ लिखें।

- कबीर के जीवन और दर्शन पर लघु नोट।

- पद में प्रयुक्त प्रतीकों की सूची बनाएं।

- पाठ से लघु एवं दीर्घ प्रश्नोत्तर।

- कबीर के विचारों की प्रासंगिकता पर अनुच्छेद।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी 'आरोह' पाठ्यपुस्तक।

- कबीर के पदों के ऑडियो/वीडियो।

- ब्लैकबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड।

- चार्ट पेपर, रंग।

- वर्कशीट्स एवं अतिरिक्त पठन सामग्री।

Extension/real life applications

- कबीर के विचारों का दैनिक जीवन में प्रयोग।

- सामाजिक भेदभाव, आडंबर और रूढ़ियों पर विचार।

- सहिष्णुता, मानवता और सत्यनिष्ठा का महत्व।

- परिवार/समाज में व्यवहारिक उदाहरणों से जोड़ना।

- आत्ममंथन और सुधार की प्रेरणा।

21st century skills, value education, vocational skills

- *समस्या समाधान:* सामाजिक समस्याओं का विश्लेषण।

- *संचार कौशल:* विचारों की अभिव्यक्ति।

- *टीम वर्क:* समूह में कार्य करना।

- *नैतिक शिक्षा:* सद्गुणों का विकास।

- *रचनात्मकता:* पद पर आधारित पोस्टर/लेखन।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने पद का भावार्थ और संदेश सही समझा।

- कौन से बिंदु विद्यार्थियों को कठिन लगे।

Planning for remedial teaching (Remedial Concepts)

- कबीर के पदों की भाषा और प्रतीकों का अर्थ स्पष्ट करना।

- पद के भावार्थ को सरल भाषा में समझाना।

- कबीर के विचारों को समकालीन उदाहरणों से जोड़ना।

Number of periods: 2 (दो पीरियड)

यह लेसन प्लान कक्षा 11 हिंदी (कोर्स-A) 'कबीर - पहला पद' के लिए उपयुक्त है और एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के अनुरूप है।

Name of chapter: मीरा के पद

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी प्रवक्ता

Class: 11

Subject: हिंदी (कोर्स-A)

Source of lesson plan: स्वयं (Self) एवं एनसीईआरटी कक्षा 11 हिंदी 'आरोह' पाठ्यपुस्तक

Concept 1: स्वयं – मीरा के पदों में भक्तिरस और दास्य-भाव

Concept 2: स्वयं – पदों की भाषा, शैली एवं काव्य-सौंदर्य

Concept 3: स्वयं – सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों में मीरा का योगदान

Name of chapter: मीरा के पद

Number of periods required: 2

Concepts (स्वयं)

- *भक्तिरस एवं दास्य-भाव:* मीरा के पदों में कृष्ण के प्रति अनन्य भक्ति, समर्पण और दास्य-भाव की प्रमुखता[1].

- *भाषा, शैली एवं काव्य-सौंदर्य:* सरल ब्रजभाषा, अनुप्रास, उपमा, रूपक जैसे अलंकारों का सुंदर प्रयोग[1].

- *सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ:* मध्यकालीन समाज में स्त्री की स्थिति, मीरा का विद्रोही और आध्यात्मिक स्वरूप[1].

Learning Outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी मीरा के पदों का भावार्थ एवं मुख्य संदेश स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।
- कविता में प्रयुक्त काव्य-रूप, भाषा, अलंकारों की पहचान कर सकेंगे।
- भक्तिरस, दास्य-भाव एवं सामाजिक संदर्भों का विश्लेषण कर सकेंगे।
- पदों में आए प्रतीकों एवं बिंबों का अर्थ समझ सकेंगे।
- पाठ से जुड़े प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे और विचार व्यक्त कर सकेंगे।

Pedagogical Strategies

- पदों का वाचन, भावार्थ एवं शब्दार्थ की व्याख्या[1][2].
- भावनात्मक प्रश्न पूछकर विद्यार्थियों की संवेदना को जागृत करना[2].
- समूह चर्चा: मीरा की भक्ति और समाज में उनकी भूमिका।
- काव्य-सौंदर्य पर चर्चा, उदाहरण सहित अलंकारों की पहचान।
- रचनात्मक कार्य: मीरा के जीवन या पदों पर पोस्टर/चित्र बनवाना।

Integration with Other Subjects

- *इतिहास:* मध्यकालीन भक्ति आंदोलन।
- *संगीत:* मीरा के पदों का गायन/सुनना।
- *कला:* मीरा के जीवन या पदों पर चित्रांकन।
- *संस्कृत:* भक्तिकाव्य की तुलनात्मक चर्चा।
- *नैतिक शिक्षा:* भक्ति, समर्पण, और सामाजिक साहस।

Assessment (Item Format)

- पदों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखें।

- मीरा के पदों में आए अलंकारों की सूची बनाएं।

- भक्तिरस और दास्य-भाव के उदाहरण पदों से खोजें।

- लघु/दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।

- मीरा के योगदान पर संक्षिप्त निबंध लिखें।

Resources / Digital / Physical

- एनसीईआरटी 'आरोह' पाठ्यपुस्तक।

- मीरा के पदों के ऑडियो/वीडियो (YouTube)[2].

- ब्लैकबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड।

- चार्ट पेपर, रंग।

- समूह चर्चा हेतु वर्कशीट्स।

Extension/Real Life Applications

- भक्ति, समर्पण और निष्ठा का जीवन में महत्व।

- सामाजिक बंधनों के विरुद्ध साहसिक निर्णय लेना।

- स्त्री सशक्तिकरण के ऐतिहासिक उदाहरण।

- कला, संगीत, साहित्य में भक्ति की भूमिका।

- जीवन में सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास।

21st Century Skills, Value Education, Vocational Skills

- *संचार कौशल:* विचारों की स्पष्ट प्रस्तुति।

- *टीम वर्क:* समूह चर्चा एवं रचनात्मक कार्य।

- *नैतिक शिक्षा:* समर्पण, साहस, सहिष्णुता।

- *रचनात्मकता:* कविता पर आधारित चित्र/पोस्टर।

- *समस्या समाधान:* सामाजिक मुद्दों पर संवाद।

Post Teaching Reflection

- कितने विद्यार्थियों ने पदों का भावार्थ और भावनात्मक पक्ष समझा।

- कौन-कौन से बिंदु विद्यार्थियों को कठिन लगे या अतिरिक्त स्पष्टीकरण की आवश्यकता पड़ी।

Planning for Remedial Teaching (Remedial Concepts)

- पदों के भावार्थ को सरल भाषा में समझाना।

- काव्य-सौंदर्य व अलंकारों की पहचान कराना।

- भक्तिरस और दास्य-भाव का उदाहरण सहित पुनरावलोकन।

Number of periods: 2 (दो पीरियड)

यह लेसन प्लान कक्षा 11 हिंदी (कोर्स-A) के 'मीरा के पद' पाठ के लिए एनसीईआरटी पाठ्यक्रम एवं अपेक्षित अधिगम परिणामों के अनुसार तैयार किया गया है।

Name of chapter: नमक का दरोगा

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 11

Subject: हिंदी (कोर्स-A)

Source of lesson plan: स्वयं (Self) एवं एनसीईआरटी कक्षा 11 हिंदी आरोह पाठ्यपुस्तक

Concept 1: स्वयं – ईमानदारी और नैतिकता

Concept 2: स्वयं – सामाजिक व्यवस्था एवं भ्रष्टाचार

Concept 3: स्वयं – व्यंग्यात्मक शैली और पात्रों का चरित्र-चित्रण

Name of chapter: नमक का दरोगा

Number of periods required: 3

Concepts (स्वयं)

- ईमानदारी और नैतिकता का महत्व तथा उसके परिणाम।

- समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और उसकी चुनौतियाँ।

- प्रेमचंद की व्यंग्यात्मक शैली और पात्रों का विश्लेषण।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी कहानी के मुख्य पात्रों के चरित्र को समझेंगे।

- कहानी में प्रस्तुत नैतिक मूल्यों की पहचान कर सकेंगे।

- पाठ का भावार्थ व संदेश स्पष्ट रूप से लिख सकेंगे।

- सामाजिक समस्याओं की विवेचना कर सकेंगे।

- कहानी की व्यंग्यात्मक शैली को पहचानना और उदाहरण देना सीखेंगे।

Pedagogical strategies

- कहानी का वाचन एवं भावार्थ पर चर्चा।

- समूह चर्चा: भ्रष्टाचार व ईमानदारी पर।

- प्रश्नोत्तर सत्र: पाठ्यपुस्तक आधारित प्रश्नों पर।

- भूमिका-निर्वाह: बंशीधर और आलोपीदीन के संवाद।

- कठिन शब्दों का अर्थ समझाना और वाक्य में प्रयोग कराना[1][4][6]।

Integration with other subjects

- *नैतिक शिक्षा:* ईमानदारी, सत्यनिष्ठा।

- *समाजशास्त्र:* सामाजिक व्यवस्था, भ्रष्टाचार।

- *इतिहास:* ब्रिटिश शासनकाल की प्रशासनिक व्यवस्था।

- *कला:* कहानी के दृश्य का चित्रण।

- *राजनीति विज्ञान:* कानून व न्याय व्यवस्था की चर्चा।

Assessment (item format)

- कहानी के मुख्य पात्रों का चरित्र-चित्रण लिखें।

- पाठ से लघु एवं दीर्घ प्रश्नोत्तर।

- नैतिक शिक्षा से जुड़े प्रश्न।

- कहानी के व्यंग्यात्मक अंशों की पहचान करें।

- कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखें।

Resources / digital / physical

- एनसीईआरटी आरोह पाठ्यपुस्तक।

- कहानी के ऑडियो/वीडियो (YouTube)[1][4][6][9]।

- स्मार्ट बोर्ड/ब्लैकबोर्ड।

- चार्ट पेपर, रंग।

- वर्कशीट्स व समूह कार्य सामग्री।

Extension/real life applications

- जीवन में ईमानदारी अपनाने की प्रेरणा।

- भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता।

- नैतिक निर्णय लेने की क्षमता का विकास।

- समाज में सकारात्मक बदलाव हेतु प्रेरणा।

- वास्तविक जीवन की घटनाओं से तुलना करना।

21st century skills, value education, vocational skills

- *समस्या समाधान:* नैतिक दुविधाओं में निर्णय लेना।

- *संचार कौशल:* विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति।

- *टीम वर्क:* समूह गतिविधियों में सहभागिता।

- *नैतिक शिक्षा:* सत्यनिष्ठा, ईमानदारी।

- *रचनात्मकता:* कहानी पर आधारित पोस्टर/चित्र बनाना।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने कहानी के संदेश को आत्मसात किया।

- कौन-कौन से बिंदु विद्यार्थियों को कठिन लगे।

Planning for remedial teaching (Remedial concepts)

- कहानी के मुख्य पात्रों का चरित्र-विश्लेषण।

- व्यंग्यात्मक शैली की पहचान।

- नैतिक संदेश को स्पष्ट करना।

Number of periods: 3 (तीन पीरियड)

यह लेसन प्लान कक्षा 11 हिंदी (आरोह) के 'नमक का दरोगा' पाठ के लिए एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम एवं अपेक्षित अधिगम परिणामों के अनुसार तैयार किया गया है।

Name of chapter: 'जनसंचार : माध्यम और लेखन' (अभिव्यक्ति और माध्यम, पाठ 1)

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 11

Subject: हिंदी (कोर्स-A)

Source of lesson plan: स्वयं (Self) एवं एनसीईआरटी कक्षा 11 हिंदी कोर्स-A, 'अभिव्यक्ति और माध्यम'

Concept 1: स्वयं – जनसंचार का अर्थ और महत्व

Concept 2: स्वयं – माध्यमों के प्रकार और उनकी भूमिका

Concept 3: स्वयं – लेखन के स्वरूप और जनसंचार में लेखन का योगदान

Name of chapter: 'जनसंचार : माध्यम और लेखन' (अभिव्यक्ति और माध्यम, पाठ 1)

Number of periods required: 2

Concepts (स्वयं)

- जनसंचार के प्रमुख माध्यमों (प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल) की भूमिका और आवश्यकता।

- जनसंचार में लेखन के विभिन्न स्वरूप (रिपोर्ट, संपादकीय, फीचर आदि)।

- समाज में जनसंचार की उपयोगिता और प्रभाव।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी जनसंचार के विभिन्न माध्यमों की पहचान कर सकेंगे।

- माध्यमों के महत्व और सामाजिक प्रभाव को समझ सकेंगे।

- जनसंचार में लेखन के स्वरूप एवं शैली को स्पष्ट कर सकेंगे।

- विभिन्न माध्यमों में लेखन के उद्देश्य को समझ सकेंगे।

- जनसंचार के क्षेत्र में करियर विकल्पों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

Pedagogical strategies

- विषय प्रवेश हेतु चर्चा और उदाहरण।

- समूह कार्य: विभिन्न माध्यमों की सूची बनाना।

- केस स्टडी: समाचार पत्र, टीवी, रेडियो आदि का विश्लेषण।

- प्रश्नोत्तर एवं क्विज़।

- प्रैक्टिकल: एक छोटा समाचार लेख या रिपोर्ट लिखवाना।

Integration with other subjects

- *अंग्रेज़ी/अन्य भाषा:* अनुवाद एवं द्विभाषिक लेखन।

- *सूचना प्रौद्योगिकी:* डिजिटल मीडिया का प्रयोग।

- *समाजशास्त्र:* जनसंचार के सामाजिक प्रभाव।

- *कला:* पोस्टर/इन्फोग्राफिक्स बनाना।

- *व्यवसाय अध्ययन:* मीडिया इंडस्ट्री में रोजगार के अवसर।

Assessment (item format)

- जनसंचार के माध्यमों की सूची बनाएं।

- समाचार लेख/रिपोर्ट लिखें।

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।

- माध्यमों के सामाजिक प्रभाव पर टिप्पणी।

- विभिन्न माध्यमों की तुलना करें।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।

- समाचार पत्र, पत्रिकाएँ।

- ऑडियो/वीडियो क्लिप्स।

- इंटरनेट/डिजिटल मीडिया।

- स्मार्ट बोर्ड/प्रोजेक्टर।

Extension/real life applications

- समाचार लेखन या ब्लॉगिंग का अभ्यास।

- सोशल मीडिया पर सकारात्मक संचार।

- स्कूल पत्रिका/न्यूज़लेटर में योगदान।

- जनसंचार के माध्यम से सामाजिक जागरूकता।

- मीडिया साक्षरता का विकास।

21st century skills, value education, vocational skills

- *संचार कौशल:* प्रभावी अभिव्यक्ति।

- *डिजिटल साक्षरता:* डिजिटल माध्यमों का प्रयोग।

- *टीम वर्क:* समूह में कार्य।

- *नैतिकता:* मीडिया में सत्यता और निष्पक्षता।

- *रचनात्मकता:* विभिन्न माध्यमों में लेखन कौशल।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने जनसंचार के विभिन्न माध्यमों को सही पहचाना।

- लेखन कौशल में किस स्तर तक सुधार हुआ।

Planning for remedial teaching (Remedial concepts)

- जनसंचार के माध्यमों की पहचान में कठिनाई।

- लेखन के स्वरूप और शैली को समझने में समस्या।

- सामाजिक प्रभाव और महत्व को स्पष्ट करने की आवश्यकता।

Number of periods: 2 (दो पीरियड)

यह लेसन प्लान कक्षा 11 हिंदी (कोर्स-A) के 'अभिव्यक्ति और माध्यम' के पाठ 1 'जनसंचार : माध्यम और लेखन' के लिए एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार किया गया है।

Name of chapter: मियाँ नसीरुद्दीन

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 11

Subject: हिंदी (कोर्स-A)

Source of lesson plan: स्वयं (Self) एवं एनसीईआरटी कक्षा 11 हिंदी आरोह पाठ्यपुस्तक

Concept 1: स्वयं – मियाँ नसीरुद्दीन का व्यक्तित्व और पेशे के प्रति समर्पण

Concept 2: स्वयं – पारंपरिक कला और बदलते सामाजिक मूल्य

Concept 3: स्वयं – पेशे की गरिमा और आत्मसम्मान

Name of chapter: मियाँ नसीरुद्दीन

Number of periods required: 2

Concepts (स्वयं)

- मियाँ नसीरुद्दीन के व्यक्तित्व, स्वभाव और पेशे के प्रति उनकी निष्ठा का विश्लेषण[1][3][7]।

- पारंपरिक खानदानी पेशों की बदलती स्थिति और सामाजिक सम्मान में आई गिरावट[2][3]।

- किसी भी पेशे को सम्मानपूर्वक और ईमानदारी से करने का महत्व[3][5]।

Learning Outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी मियाँ नसीरुद्दीन के चरित्र और उनके पेशे के प्रति दृष्टिकोण को समझ पाएंगे[1][3][5]।

- पारंपरिक कलाओं की सामाजिक स्थिति और बदलते मूल्यों का विश्लेषण कर सकेंगे[2][3]।

- पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे और शब्द-चित्र बना सकेंगे[1][3][5]।

- पेशे की गरिमा और आत्मसम्मान के महत्व को समझेंगे और जीवन में अपनाएंगे[3][5]।

- पाठ में प्रयुक्त कठिन शब्दों और मुहावरों का अर्थ स्पष्ट कर सकेंगे[1]।

Pedagogical Strategies

- पाठ का वाचन और संदर्भ सहित व्याख्या[4][6]।

- समूह चर्चा: पेशे की गरिमा और समाज में बदलाव पर।

- प्रश्नोत्तर सत्र: पाठ्यपुस्तक आधारित प्रश्नों पर।

- चरित्र-चित्रण गतिविधि: मियाँ नसीरुद्दीन का शब्द-चित्र।

- भूमिका-निर्वाह (Role Play): संवाद आधारित प्रस्तुति।

Integration with Other Subjects

- *इतिहास:* पारंपरिक खानदानी व्यवसायों का ऐतिहासिक महत्व।

- *सामाजिक विज्ञान:* समाज में पेशों की स्थिति और सम्मान।

- *नैतिक शिक्षा:* आत्मसम्मान और ईमानदारी का महत्व।

- *कला:* रोटियाँ बनाने की प्रक्रिया का चित्रण।

- *भाषा:* कठिन शब्दों, मुहावरों और संवाद लेखन का अभ्यास।

Assessment (Item Format)

- मियाँ नसीरुद्दीन के चरित्र का शब्द-चित्र लिखें।

- पाठ के आधार पर लघु एवं दीर्घ प्रश्नों के उत्तर दें।

- कठिन शब्दों के अर्थ लिखें।

- पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखें।

- समाज में पारंपरिक पेशों की स्थिति पर लघु निबंध लिखें।

Resources / Digital / Physical

- एनसीईआरटी आरोह पाठ्यपुस्तक।

- पाठ का ऑडियो/वीडियो व्याख्यान[4][6]।

- स्मार्ट बोर्ड/ब्लैकबोर्ड।

- शब्दकोश एवं संदर्भ सामग्री।

- समूह कार्य हेतु वर्कशीट्स।

Extension/Real Life Applications

- किसी भी पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना।

- पारंपरिक कलाओं के संरक्षण का महत्व।

- समाज में बदलते मूल्यों की पहचान।

- आत्मसम्मान और ईमानदारी का व्यवहारिक जीवन में उपयोग।

- पारिवारिक व्यवसायों के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव।

21st Century Skills, Value Education, Vocational Skills

- *संचार कौशल:* विचारों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना।

- *टीम वर्क:* समूह में कार्य करना।

- *नैतिक शिक्षा:* आत्मसम्मान, ईमानदारी और पेशे के प्रति समर्पण।

- *रचनात्मकता:* चरित्र-चित्रण एवं संवाद लेखन।

- *समस्या समाधान:* बदलते समाज में पारंपरिक पेशों की चुनौतियों का समाधान सुझाना।

Post Teaching Reflection

- कितने विद्यार्थियों ने पाठ के भाव और संदेश को समझा।

- कौन-कौन से बिंदु विद्यार्थियों को कठिन लगे या अस्पष्ट रहे।

Planning for Remedial Teaching (Remedial Concepts)

- कठिन शब्दों और मुहावरों का अर्थ समझाना।

- मियाँ नसीरुद्दीन के चरित्र-चित्रण में सहायता।

- पारंपरिक पेशों की सामाजिक स्थिति का विश्लेषण।

Number of periods: 2 (दो पीरियड)

यह लेसन प्लान कक्षा 11 हिंदी (कोर्स-A) के 'मियाँ नसीरुद्दीन' पाठ के लिए एनसीईआरटी पाठ्यक्रम एवं अपेक्षित अधिगम परिणामों के अनुसार तैयार किया गया है।

Name of chapter: भारतीय गायिकाओं में बेजोड़ लता मंगेशकर

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी प्रवक्ता
Class: 11
Subject: हिंदी (कोर्स-A)

Source of lesson plan: NCERT कक्षा 11, वितान भाग-1, अध्याय 'भारतीय गायिकाओं में बेजोड़ लता मंगेशकर'

Concept 1: Self – लता मंगेशकर का जीवन परिचय

Concept 2: Resource Pool – भारतीय संगीत में लता मंगेशकर का योगदान

Concept 3: Self – लता मंगेशकर के व्यक्तित्व की विशेषताएँ

Name of chapter: भारतीय गायिकाओं में बेजोड़ लता मंगेशकर
Number of periods required: 2

Concepts (Based on Self/Resource Pool)

- **लता मंगेशकर का जीवन परिचय (Self):** लता मंगेशकर के बचपन, परिवार और प्रारंभिक जीवन की जानकारी।
- **भारतीय संगीत में योगदान (Resource Pool):** हिंदी सिनेमा और भारतीय संगीत में लता मंगेशकर की भूमिका और उपलब्धियाँ।
- **व्यक्तित्व की विशेषताएँ (Self):** उनकी विनम्रता, साधना, और समर्पण की विशेषताएँ।

Learning Outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी लता मंगेशकर के जीवन और उपलब्धियों को समझ सकेंगे।
- पाठ के भावों और संदेश को अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेंगे।
- भारतीय संगीत में लता मंगेशकर के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।
- पाठ्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।
- प्रेरणादायक व्यक्तित्व से जीवन में सीख लेने की क्षमता विकसित करेंगे।

Pedagogical Strategies

- पाठ का वाचन एवं भावार्थ की व्याख्या।
- समूह चर्चा: लता मंगेशकर के योगदान पर।
- ऑडियो क्लिप्स द्वारा गीतों की प्रस्तुति।
- प्रश्नोत्तर सत्र।
- लघु प्रस्तुतियाँ/पोस्टर बनाना।

Integration with Other Subjects

- **संगीत:** लता मंगेशकर के गीतों का विश्लेषण।
- **इतिहास:** भारतीय सिनेमा का विकास।
- **कला:** संगीत व कला के पोस्टर/चित्र बनाना।

- **अंग्रेजी:** लता मंगेशकर पर अनुच्छेद लेखन।
- **सूचना प्रौद्योगिकी:** डिजिटल प्रस्तुति तैयार करना।

Assessment (Item Format)

- पाठ का सारांश लिखें।
- लता मंगेशकर के जीवन की मुख्य घटनाएँ बताइए।
- भारतीय संगीत में उनका योगदान समझाइए।
- पाठ से लघु प्रश्नोत्तर।
- प्रेरणादायक गुणों की सूची बनाएं।

Resources / Digital / Physical

- एनसीईआरटी वितान पाठ्यपुस्तक।
- लता मंगेशकर के गीतों की ऑडियो/वीडियो क्लिप्स।
- स्मार्ट बोर्ड/प्रोजेक्टर।
- चार्ट पेपर, रंग।
- वर्कशीट्स और प्रश्न पत्र।

Extension/Real Life Applications

- प्रेरणादायक व्यक्तित्व से जीवन में अनुशासन व समर्पण सीखना।
- संगीत के प्रति रुचि विकसित करना।
- भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान।
- टीम वर्क व अनुशासन की भावना।
- जीवन में संघर्ष और सफलता का महत्व समझना।

21st Century Skills, Value Education, Vocational Skills

- **संचार कौशल:** विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना।
- **टीम वर्क:** समूह चर्चा व प्रोजेक्ट में सहभागिता।
- **रचनात्मकता:** पोस्टर/प्रस्तुति बनाना।
- **नैतिक शिक्षा:** अनुशासन, समर्पण व विनम्रता।
- **डिजिटल साक्षरता:** डिजिटल संसाधनों का उपयोग।

Post Teaching Reflection

- कितने विद्यार्थियों ने पाठ के भाव को सही समझा।
- कौन-कौन से बिंदु विद्यार्थियों को कठिन लगे।

Planning for Remedial Teaching (Concepts for Remedial Classes)

- पाठ के भावार्थ को सरल भाषा में समझाना।
- लता मंगेशकर के योगदान की व्याख्या।
- प्रेरणादायक गुणों को जीवन से जोड़ना।

Number of periods: 2

यह पाठ योजना कक्षा 11 हिंदी (वितान भाग-1) के 'भारतीय गायिकाओं में बेजोड़ लता मंगेशकर' पाठ के लिए उपयुक्त है और एनसीईआरटी के अधिगम परिणामों एवं अपेक्षित कौशलों के अनुसार तैयार की गई है।

Name of chapter: औपचारिक पत्र लेखन

Name of Teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (अभिव्यक्ति और माध्यम, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन138

Concept 1: स्वयं – *औपचारिक पत्र का प्रारूप और संरचना*

Concept 2: संसाधन पूल – *औपचारिक पत्र की भाषा, शिष्टाचार और शैली*

Concept 3: स्वयं – *विषय के अनुसार उपयुक्त पत्र लेखन*

Name of chapter: औपचारिक पत्र लेखन

Number of periods required: 3

Concepts:

- औपचारिक पत्र के प्रारूप, भाषा और संरचना को समझना.
- पत्र में शिष्टाचार, संक्षिप्तता और स्पष्टता का प्रयोग करना.
- विभिन्न प्रकार के औपचारिक पत्र (आवेदन, शिकायत, सूचना) लिखना सीखना.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी औपचारिक पत्र का प्रारूप और संरचना स्पष्ट कर सकेंगे8.
- पत्र लेखन में उपयुक्त भाषा और शिष्टाचार का प्रयोग कर सकेंगे.
- विषयानुसार पत्र लिखने की क्षमता विकसित करेंगे.
- पत्र में संक्षिप्तता, स्पष्टता और उद्देश्यपूर्ण भाषा का प्रयोग करेंगे.
- पत्र लेखन के माध्यम से व्यावहारिक जीवन की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत कर सकेंगे.

Pedagogical strategies:

- उदाहरण सहित औपचारिक पत्र का प्रारूप समझाना.
- समूह में पत्र लेखन अभ्यास कराना.
- पत्रों की समीक्षा एवं सहपाठी मूल्यांकन.
- वास्तविक जीवन की परिस्थितियों पर पत्र लेखन.
- डिजिटल संसाधनों का उपयोग (ऑनलाइन पत्र लेखन अभ्यास).

Integration with other subjects:

- अंग्रेज़ी में औपचारिक पत्र लेखन से तुलना.
- सामाजिक विज्ञान में प्रशासनिक पत्रों का अध्ययन.
- सूचना प्रौद्योगिकी में ई-मेल लेखन का अभ्यास.
- वाणिज्य में व्यावसायिक पत्रों का महत्व.
- नैतिक शिक्षा में शिष्टाचार और संवाद कौशल.

Assessment (item format):

- पत्र प्रारूप की पहचान पर लघु प्रश्न.
- दिए गए विषय पर औपचारिक पत्र लिखना.
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) प्रारूप पर आधारित.
- पत्र की भाषा, शिष्टाचार व संक्षिप्तता का मूल्यांकन.
- पत्र लेखन में त्रुटियों की पहचान और सुधार.

Resources /digital/ physical:

- NCERT अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक.
- पत्र लेखन के उदाहरण (प्रिंट/डिजिटल).
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका.
- प्रोजेक्टर/स्मार्ट बोर्ड.
- ऑनलाइन पत्र लेखन अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- विद्यालय या प्रशासन को वास्तविक पत्र लिखना.
- प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पत्र लेखन अभ्यास.
- ई-मेल या डिजिटल पत्राचार में औपचारिकता का प्रयोग.

- सामाजिक/सार्वजनिक समस्याओं पर पत्र लिखना.
- व्यावसायिक जीवन में पत्र लेखन का प्रयोग.

21st century skills, value education, vocational skills:

- संवाद और अभिव्यक्ति कौशल का विकास.
- डिजिटल साक्षरता (ई-मेल, ऑनलाइन पत्राचार).
- शिष्टाचार, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी.
- समस्या समाधान और निर्णय क्षमता.
- व्यावसायिक पत्राचार के व्यावहारिक कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने औपचारिक पत्र के प्रारूप और भाषा को समझा.
- कुछ छात्रों को विषय चयन और संक्षिप्तता में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- पत्र प्रारूप और संरचना की पुनरावृत्ति.
- शिष्टाचार और भाषा की त्रुटियों का सुधार.
- विषयानुसार उपयुक्त पत्र लेखन का अभ्यास कराना.

Number of periods: 3

Name of chapter: डायरी लेखन, कथा पटकथा लेखन, स्ववृत्त लेखन

Name of Teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (अभिव्यक्ति और माध्यम, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *डायरी लेखन की कला और स्वरूप*

Concept 2: संसाधन पूल – *कथा पटकथा लेखन के तत्व और संरचना*

Concept 3: स्वयं – *स्ववृत्त लेखन: आत्म-अभिव्यक्ति और आत्मविश्लेषण*

Name of chapter: डायरी लेखन, कथा पटकथा लेखन, स्ववृत्त लेखन
Number of periods required: 3

Concepts:

- डायरी लेखन: दिनचर्या, भावनाओं और अनुभवों को निजी रूप में अभिव्यक्त करना31.
- कथा पटकथा लेखन: घटनाओं का क्रमबद्ध, संवादपूर्ण और दृश्यात्मक प्रस्तुतीकरण.
- स्ववृत्त लेखन: आत्मकथ्य, जीवन अनुभवों और आत्मविश्लेषण का दस्तावेजीकरण.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी डायरी लेखन की शैली, उद्देश्य और महत्व समझ सकेंगे23.
- कथा पटकथा लेखन के प्रमुख तत्वों की पहचान कर सकेंगे.
- स्ववृत्त लेखन में आत्म-अभिव्यक्ति और आत्मविश्लेषण कर सकेंगे.
- भाषा, शैली और संरचना में भिन्नता को स्पष्ट कर सकेंगे.
- रचनात्मक लेखन में मौलिकता और भावनाओं की सजीवता ला सकेंगे.

Pedagogical strategies:

- डायरी, पटकथा और स्ववृत्त लेखन के उदाहरण प्रस्तुत करना.
- समूह में रचनात्मक लेखन गतिविधि कराना.
- विद्यार्थियों को व्यक्तिगत अनुभव साझा करने के लिए प्रेरित करना.
- संवाद लेखन और दृश्य चित्रण का अभ्यास कराना.

- सहपाठी मूल्यांकन और फीडबैक देना.

Integration with other subjects:

- अंग्रेज़ी में Diary Entry, Script Writing, Autobiography से तुलना.
- नाट्यकला में पटकथा लेखन का अभ्यास.
- मनोविज्ञान में आत्मविश्लेषण और व्यक्तित्व विकास.
- सूचना प्रौद्योगिकी में डिजिटल डायरी/ब्लॉग लेखन.
- सामाजिक विज्ञान में ऐतिहासिक/सामाजिक घटनाओं पर लेखन.

Assessment (item format):

- दिए गए अनुभव पर डायरी लेखन.
- घटना आधारित पटकथा लेखन का अभ्यास कार्य.
- आत्मकथ्य (स्ववृत्त) लेखन पर प्रश्न.
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) शैली और संरचना पर.
- भाषा, भाव और प्रस्तुति का मूल्यांकन.

Resources /digital/ physical:

- NCERT अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक[3].
- डायरी, पटकथा, स्ववृत्त के उदाहरण (प्रिंट/डिजिटल).
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स (पटकथा लेखन पर).
- डिजिटल लेखन पोर्टल/ऑनलाइन अभ्यास.

Extension/real life applications:

- व्यक्तिगत डायरी या ब्लॉग लेखन की आदत डालना.

- नाटक या फिल्म की पटकथा तैयार करना.
- आत्मकथ्य लेखन से आत्मविश्लेषण करना.
- सामाजिक घटनाओं पर डायरी/स्ववृत्त लेखन.
- डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रचनात्मक लेखन साझा करना.

21st century skills, value education, vocational skills:

- रचनात्मकता और मौलिक सोच का विकास.
- डिजिटल साक्षरता और अभिव्यक्ति कौशल.
- आत्मविश्लेषण, आत्मविश्वास और संवाद क्षमता.
- नैतिकता, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी.
- मीडिया, जनसंचार और पटकथा लेखन के व्यावसायिक कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने डायरी, पटकथा और स्ववृत्त लेखन में रुचि दिखाई.
- कुछ छात्रों को आत्म-अभिव्यक्ति और शैली में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- डायरी, पटकथा और स्ववृत्त लेखन की शैली में भिन्नता स्पष्ट करना.
- आत्म-अभिव्यक्ति और भावनाओं की सजीवता लाने का अभ्यास कराना.
- भाषा और संरचना में त्रुटियों का सुधार.

Number of periods: 3

Name of chapter: अपु के साथ ढाई साल (सत्यजीत रे)

Name of Teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (आरोह भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *फिल्म निर्माण की चुनौतियाँ और संघर्ष*

Concept 2: संसाधन पूल – *कलाकार चयन, तकनीकी व आर्थिक समस्याएँ*

Concept 3: स्वयं – *सत्यजीत रे का दृष्टिकोण और रचनात्मकता*

Name of chapter: अपु के साथ ढाई साल (सत्यजीत रे)

Number of periods required: 3

Concepts:

- सीमित संसाधनों में फिल्म निर्माण के संघर्ष और धैर्य का महत्व समझना.
- कलाकारों की खोज, आर्थिक कठिनाइयों और तकनीकी समस्याओं का सामना करना.
- सत्यजीत रे की रचनात्मकता, लगन और भारतीय सिनेमा में योगदान को जानना.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी फिल्म निर्माण की प्रक्रिया और उससे जुड़ी चुनौतियों को समझेंगे235.
- संस्मरण शैली के माध्यम से सत्यजीत रे के अनुभवों का विश्लेषण कर सकेंगे23.
- आर्थिक, तकनीकी और मानवीय समस्याओं के समाधान के प्रयास जान सकेंगे235.
- भारतीय सिनेमा के ऐतिहासिक महत्व को पहचान सकेंगे235.
- रचनात्मकता और धैर्य के महत्व को जीवन में आत्मसात करेंगे235.

Pedagogical strategies:

- पाठ का वाचन और भावार्थ स्पष्ट करना.
- समूह चर्चा द्वारा फिल्म निर्माण की चुनौतियों पर विचार-विमर्श.
- संस्मरण की शैली और सत्यजीत रे की विशेषताओं का विश्लेषण.

- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स के माध्यम से फिल्म के दृश्य दिखाना.
- रचनात्मक लेखन: "अगर मैं निर्देशक होता..." विषय पर लेखन.

Integration with other subjects:

- समाजशास्त्र में भारतीय ग्रामीण जीवन का चित्रण.
- इतिहास में भारतीय सिनेमा का विकास.
- अर्थशास्त्र में फिल्म निर्माण की लागत और बजट.
- अंग्रेज़ी में Autobiographical Writing से तुलना.
- सूचना प्रौद्योगिकी में फिल्म निर्माण की तकनीकी प्रक्रिया.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (संघर्ष, समाधान, रचनात्मकता).
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) पाठ के मुख्य बिंदुओं पर.
- पाठ का सारांश और मुख्य विचार लिखना.
- रचनात्मक लेखन: फिल्म निर्माण पर अनुभव साझा करना.
- पात्रों व घटनाओं की पहचान और विश्लेषण.

Resources /digital/ physical:

- NCERT आरोह भाग-1 पाठ्यपुस्तक.
- सत्यजीत रे व 'पथेर पांचाली' पर ऑडियो-वीडियो क्लिप्स.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.
- कार्यपत्रक व नोट्स.
- फिल्म निर्माण की प्रक्रिया के चित्र/पोस्टर.

Extension/real life applications:

- सीमित संसाधनों में कार्य करने का अभ्यास.
- टीमवर्क और समस्या समाधान का महत्व समझना.
- रचनात्मकता और धैर्य को जीवन में अपनाना.
- भारतीय सिनेमा के इतिहास पर प्रोजेक्ट बनाना.
- फिल्म निर्माण या मीडिया क्षेत्र में करियर की संभावनाएँ समझना.

21st century skills, value education, vocational skills:

- समस्या समाधान और रचनात्मक सोच का विकास.
- टीमवर्क, संवाद और नेतृत्व कौशल.
- डिजिटल साक्षरता और मीडिया जागरूकता.
- धैर्य, लगन और नैतिकता का संवर्धन.
- फिल्म, मीडिया और रचनात्मक लेखन के व्यावसायिक कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने फिल्म निर्माण की चुनौतियों और सत्यजीत रे के दृष्टिकोण को समझा.
- कुछ छात्रों को संस्मरण शैली और फिल्म निर्माण प्रक्रिया में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- संस्मरण शैली और उसके तत्व स्पष्ट करना.
- फिल्म निर्माण की तकनीकी और आर्थिक समस्याओं को सरल उदाहरणों से समझाना.
- सत्यजीत रे की रचनात्मकता और संघर्ष के महत्व को व्यावहारिक दृष्टांतों से जोड़ना.

Number of periods: 3

Name of chapter: विदाई संभाषण (बालमुकुन्द गुप्त)

Name of Teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (आरोह भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *विदाई संभाषण की भाषा, शैली और उद्देश्य*

Concept 2: संसाधन पूल – *बालमुकुन्द गुप्त की व्यंग्यात्मकता और संवेदनशीलता*

Concept 3: स्वयं – *संभाषण में भाव, विनम्रता और सामाजिक सरोकार*

Name of chapter: विदाई संभाषण (बालमुकुन्द गुप्त)
Number of periods required: 3

Concepts:

- विदाई संभाषण में भावनाओं की अभिव्यक्ति और शिष्टाचार का महत्व.
- बालमुकुन्द गुप्त की भाषा में व्यंग्य, संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना.
- संभाषण की संरचना: आरंभ, मुख्य बिंदु, समापन और आभार.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी विदाई संभाषण की भाषा, शैली और उद्देश्य समझ सकेंगे.
- संभाषण में भावनाओं की अभिव्यक्ति और विनम्रता का महत्व जानेंगे.
- बालमुकुन्द गुप्त की व्यंग्यात्मकता और सामाजिक सरोकार को पहचानेंगे.
- संभाषण की संरचना और प्रस्तुति में दक्षता प्राप्त करेंगे.
- व्यावहारिक जीवन में संभाषण कौशल का प्रयोग कर सकेंगे.

Pedagogical strategies:

- पाठ का वाचन और भावार्थ स्पष्ट करना.
- संभाषण की संरचना और शैली पर चर्चा.
- विद्यार्थियों से विदाई संभाषण लिखवाना और प्रस्तुत कराना.
- बालमुकुन्द गुप्त के अन्य रचनात्मक अंशों का विश्लेषण.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स के माध्यम से संभाषण प्रस्तुति दिखाना.

Integration with other subjects:

- अंग्रेज़ी में Farewell Speech Writing से तुलना.
- सामाजिक विज्ञान में सार्वजनिक भाषणों का महत्व.
- नैतिक शिक्षा में विनम्रता और आभार की भावना.
- नाट्यकला में संभाषण प्रस्तुति का अभ्यास.
- सूचना प्रौद्योगिकी में डिजिटल भाषण प्रस्तुति.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (संभाषण की शैली, भाव, संरचना).
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) पाठ के मुख्य अंशों पर.
- विदाई संभाषण लिखने का अभ्यास कार्य.
- संभाषण की प्रस्तुति और आभार प्रदर्शन का मूल्यांकन.
- बालमुकुन्द गुप्त की भाषा-शैली पर प्रश्न.

Resources /digital/ physical:

- NCERT आरोह भाग-1 पाठ्यपुस्तक.
- संभाषण लेखन के उदाहरण (प्रिंट/डिजिटल).
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स (संभाषण प्रस्तुति पर).

- कार्यपत्रक व नोट्स.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- विद्यालय में विदाई या स्वागत कार्यक्रम में संभाषण देना.
- सामाजिक आयोजनों में भाषण कौशल का प्रयोग.
- सार्वजनिक मंच पर आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुति देना.
- विनम्रता और आभार व्यक्त करने की आदत विकसित करना.
- रचनात्मक लेखन और संवाद कौशल में सुधार.

21st century skills, value education, vocational skills:

- संवाद, अभिव्यक्ति और नेतृत्व कौशल का विकास.
- रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच.
- डिजिटल साक्षरता (ऑनलाइन भाषण प्रस्तुति).
- नैतिकता, विनम्रता और सामाजिक जिम्मेदारी.
- सार्वजनिक बोलने के व्यावसायिक कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने विदाई संभाषण की शैली और भावनात्मक पक्ष को समझा.
- कुछ छात्रों को संभाषण की संरचना और प्रस्तुति में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- संभाषण की संरचना और भाषा को सरल उदाहरणों से समझाना.
- भावनाओं की अभिव्यक्ति और विनम्रता का अभ्यास कराना.
- बालमुकुन्द गुप्त की व्यंग्यात्मकता और सामाजिक सरोकार को स्पष्ट करना.

Number of periods: 3

Name of chapter: गलता लोहा (शेखर जोशी)

Name of Teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (आरोह भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *जातिगत भेदभाव और सामाजिक यथार्थ*

Concept 2: संसाधन पूल – *मेहनतकश वर्ग का संघर्ष और आत्मसम्मान*

Concept 3: स्वयं – *व्यक्तिगत प्रतिभा बनाम सामाजिक बंधन*

Name of chapter: गलता लोहा (शेखर जोशी)

Number of periods required: 3

Concepts:

- समाज में जातिगत भेदभाव के कारण प्रतिभा का दमन और संघर्ष[234].
- मेहनतकश वर्ग के प्रति सच्चे भाईचारे और आत्मसम्मान का चित्रण[34].
- मोहन के माध्यम से सामाजिक बंधनों को तोड़ने का साहस और परिवर्तन[234].

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी जातिगत भेदभाव और सामाजिक यथार्थ को समझ सकेंगे[234].
- मेहनतकश वर्ग के संघर्ष और आत्मसम्मान का महत्व जानेंगे[34].
- व्यक्तिगत प्रतिभा और सामाजिक बंधनों के द्वंद्व को पहचानेंगे[24].
- कहानी के प्रतीकों और शिल्प का विश्लेषण कर सकेंगे[4].
- सामाजिक कुरीतियों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करेंगे[4].

Pedagogical strategies:

- पाठ का वाचन और भावार्थ स्पष्ट करना.

- समूह चर्चा द्वारा जाति प्रथा और सामाजिक भेदभाव पर विचार-विमर्श.
- कहानी के प्रतीकों (जैसे गलता लोहा) की व्याख्या कराना.
- रचनात्मक लेखन: "मेहनतकश वर्ग का महत्व" विषय पर निबंध.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स के माध्यम से कहानी का अनुभव कराना79.

Integration with other subjects:

- समाजशास्त्र में जाति प्रथा और सामाजिक संरचना का अध्ययन.
- नैतिक शिक्षा में समानता और भाईचारे की चर्चा.
- इतिहास में समाज सुधार आंदोलनों से जोड़ना.
- अंग्रेज़ी में Social Realism Stories से तुलना.
- कला में मेहनतकश जीवन के चित्रांकन.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (भावार्थ, विश्लेषण)24.
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) कहानी के मुख्य बिंदुओं पर4.
- कहानी का सारांश और मुख्य विचार लिखना.
- प्रतीकों और पात्रों की पहचान पर प्रश्न.
- रचनात्मक लेखन: सामाजिक कुरीतियों पर विचार प्रस्तुत करना.

Resources /digital/ physical:

- NCERT आरोह भाग-1 पाठ्यपुस्तक1610.
- कहानी की ऑडियो-वीडियो क्लिप्स79.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.
- कार्यपत्रक व नोट्स.

- मेहनतकश जीवन के चित्र/पोस्टर.

Extension/real life applications:

- समाज में व्याप्त भेदभाव के उदाहरण साझा करना.
- मेहनतकश वर्ग के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करना.
- सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता अभियान.
- व्यक्तिगत प्रतिभा को प्रोत्साहित करना.
- विद्यालय में समानता और समावेशन पर चर्चा.

21st century skills, value education, vocational skills:

- आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच का विकास.
- सामाजिक न्याय, समानता और नैतिकता का संवर्धन.
- संवाद, टीमवर्क और नेतृत्व कौशल.
- डिजिटल साक्षरता (ऑडियो-वीडियो संसाधनों का प्रयोग).
- सामाजिक कार्यों में भागीदारी और अभिव्यक्ति कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने कहानी के सामाजिक यथार्थ और प्रतीकों को समझा.
- कुछ छात्रों को जातिगत भेदभाव के संदर्भ में व्यावहारिक उदाहरणों की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- जातिगत भेदभाव और मेहनतकश वर्ग के महत्व को सरल उदाहरणों से समझाना.
- कहानी के प्रतीकों और शिल्प की पुनरावृत्ति.
- सामाजिक कुरीतियों की पहचान और आलोचना में अभ्यास कराना.

Name of chapter: घर की याद (भवानी प्रसाद मिश्र)

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (आरोह भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन11

Concept 1: स्वयं – *घर की याद में स्मृति और संवेदना का चित्रण*

Concept 2: संसाधन पूल – *प्राकृतिक बिंबों के माध्यम से भावनाओं की अभिव्यक्ति*

Concept 3: स्वयं – *परिवार, घर और भारतीय सांस्कृतिक मूल्य*

Name of chapter: घर की याद (भवानी प्रसाद मिश्र)
Number of periods required: 3

Concepts:

- जेल-प्रवास में कवि की घर-परिवार के प्रति गहन स्मृति और संवेदना का चित्रण.
- सावन, बारिश और बादल जैसे प्राकृतिक बिंबों के माध्यम से भावनाओं की प्रस्तुति.
- भारतीय परिवार, स्नेह, त्याग और सामाजिक मूल्यों की झलक कविता में.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी कविता में स्मृति और संवेदना की पहचान कर सकेंगे.
- प्राकृतिक बिंबों के माध्यम से भावनाओं की अभिव्यक्ति समझ सकेंगे.
- परिवार और घर के महत्व को आत्मसात करेंगे.
- कविता का भावार्थ और संदर्भ-व्याख्या लिख सकेंगे.
- सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों की पहचान कर सकेंगे.

Pedagogical strategies:

- कविता का वाचन और भावार्थ स्पष्ट करना.

- समूह चर्चा द्वारा परिवार और घर की भूमिका पर विचार-विमर्श.
- प्राकृतिक बिंबों का चित्रण और विश्लेषण कराना.
- रचनात्मक लेखन: “घर की याद” विषय पर अनुच्छेद लिखवाना.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स के माध्यम से कविता का अनुभव कराना.

Integration with other subjects:

- समाजशास्त्र में परिवार की भूमिका और महत्व.
- कला में घर, बारिश, और सावन के दृश्य चित्रित कराना.
- मनोविज्ञान में स्मृति और भावनाओं का अध्ययन.
- अंग्रेज़ी में Nostalgia Poetry से तुलना.
- नैतिक शिक्षा में परिवार के प्रति कर्तव्य और स्नेह.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (भावार्थ, विश्लेषण).
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) कविता के मुख्य बिंदुओं पर.
- कविता का सारांश और संदर्भ-व्याख्या लिखना.
- रचनात्मक लेखन: घर की याद पर अनुच्छेद.
- बिंब और प्रतीकों की पहचान पर प्रश्न.

Resources /digital/ physical:

- NCERT आरोह भाग-1 पाठ्यपुस्तक.
- कविता की ऑडियो-वीडियो क्लिप्स.
- कार्यपत्रक व नोट्स.
- घर, परिवार, बारिश के चित्र/पोस्टर.

- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- घर और परिवार के अनुभव साझा करना.
- जेल या प्रवास में रहने वालों की भावनाओं पर चर्चा.
- परिवार के प्रति कृतज्ञता और स्नेह प्रकट करना.
- प्राकृतिक दृश्यों का अवलोकन और चित्रण.
- सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को जीवन में अपनाना.

21st century skills, value education, vocational skills:

- रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच का विकास.
- सांस्कृतिक संवेदनशीलता और नैतिकता.
- संवाद, टीमवर्क और सहानुभूति कौशल.
- डिजिटल साक्षरता (ऑडियो-वीडियो संसाधनों का प्रयोग).
- आत्म-अभिव्यक्ति और रचनात्मक लेखन कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने कविता के भाव, बिंब और सांस्कृतिक पक्ष को समझा.
- कुछ छात्रों को भावार्थ और बिंबों की व्याख्या में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- कविता के भावार्थ और संदर्भ-व्याख्या को सरल भाषा में समझाना.
- प्राकृतिक बिंबों और प्रतीकों की पहचान में अभ्यास कराना.
- परिवार और घर के महत्व को व्यावहारिक उदाहरणों से स्पष्ट करना.

Number of periods: 3

Name of chapter: चंपा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती (त्रिलोचन)

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (आरोह भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *अशिक्षा और ग्रामीण जीवन का यथार्थ चित्रण*

Concept 2: संसाधन पूल – *चंपा के चरित्र में जिज्ञासा, विद्रोह और मासूमियत*

Concept 3: स्वयं – *पलायन, सामाजिक व्यवस्था और शिक्षा का महत्व*

Name of chapter: चंपा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती (त्रिलोचन)
Number of periods required: 3

Concepts:

- कविता में अशिक्षा और ग्रामीण जीवन की समस्याओं का चित्रण किया गया है.
- चंपा के माध्यम से शिक्षा के प्रति उदासीनता और व्यवस्था के प्रति विद्रोह दिखाया गया है.
- पलायन, गरीबी और सामाजिक विषमता के यथार्थ को सहज भाषा में प्रस्तुत किया गया है.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी कविता में अशिक्षा और ग्रामीण जीवन की समस्याएँ पहचान सकेंगे.
- चंपा के चरित्र और उसके विद्रोही स्वभाव का विश्लेषण कर सकेंगे.
- कविता के बिंब, प्रतीक और संवाद शैली को समझ सकेंगे.
- सामाजिक व्यवस्था और पलायन के कारणों को स्पष्ट कर सकेंगे.
- कविता का भावार्थ और संदर्भ-व्याख्या लिखने में सक्षम होंगे.

Pedagogical strategies:

- कविता का वाचन और भावार्थ स्पष्ट करना.

- संवादात्मक पद्धति से चंपा के चरित्र पर चर्चा कराना.
- समूह में ग्रामीण जीवन और शिक्षा पर विचार-विमर्श.
- रचनात्मक लेखन: “अगर मैं चंपा होती...” विषय पर अनुच्छेद.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स के माध्यम से कविता का अनुभव कराना.

Integration with other subjects:

- समाजशास्त्र में ग्रामीण जीवन और सामाजिक विषमता का अध्ययन.
- नैतिक शिक्षा में शिक्षा का महत्व और सामाजिक जिम्मेदारी.
- इतिहास में पलायन और आर्थिक कारणों का विश्लेषण.
- अंग्रेज़ी में Social Realism Poetry से तुलना.
- कला में ग्रामीण जीवन और चंपा के दृश्य चित्रित कराना.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (भावार्थ, विश्लेषण).
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) कविता के मुख्य बिंदुओं पर.
- कविता का सारांश और संदर्भ-व्याख्या लिखना.
- चंपा के चरित्र और संवाद शैली पर प्रश्न.
- रचनात्मक लेखन: शिक्षा या पलायन पर अनुच्छेद.

Resources /digital/ physical:

- NCERT आरोह भाग-1 पाठ्यपुस्तक.
- कविता की ऑडियो-वीडियो क्लिप्स.
- कार्यपत्रक व नोट्स.
- ग्रामीण जीवन के चित्र/पोस्टर.

- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की स्थिति पर चर्चा.
- सामाजिक विषमता और पलायन के उदाहरण साझा करना.
- शिक्षा के महत्व पर जागरूकता अभियान.
- कविता पाठ या मंचन के माध्यम से प्रस्तुति.
- व्यक्तिगत अनुभवों को कविता से जोड़कर अभिव्यक्त करना.

21st century skills, value education, vocational skills:

- आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच का विकास.
- संवाद, टीमवर्क और सहानुभूति कौशल.
- डिजिटल साक्षरता (ऑडियो-वीडियो संसाधनों का प्रयोग).
- सामाजिक न्याय, नैतिकता और जिम्मेदारी.
- रचनात्मक लेखन एवं अभिव्यक्ति कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने कविता के सामाजिक यथार्थ और चंपा के चरित्र को समझा.
- कुछ छात्रों को संवाद शैली और प्रतीकों की व्याख्या में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- कविता के भावार्थ और संदर्भ-व्याख्या को सरल भाषा में समझाना.
- संवाद शैली और प्रतीकों की पहचान में अभ्यास कराना.
- ग्रामीण जीवन और शिक्षा के महत्व को व्यावहारिक उदाहरणों से स्पष्ट करना13.

Number of periods: 3

Name of chapter: ग़ज़ल (दुष्यंत कुमार)

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11
Subject: हिंदी (आरोह भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *दुष्यंत कुमार की ग़ज़ल: सामाजिक-राजनीतिक यथार्थ का चित्रण*

Concept 2: संसाधन पूल – *ग़ज़ल की शैली, संरचना और प्रतीकात्मकता*

Concept 3: स्वयं – *आम आदमी की पीड़ा, विद्रोह और व्यवस्था पर कटाक्ष*

Name of chapter: ग़ज़ल (दुष्यंत कुमार)

Number of periods required: 3

Concepts:

- ग़ज़ल के माध्यम से कवि ने समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, असमानता और व्यवस्था की विफलता को उजागर किया है134.
- आम आदमी की पीड़ा, निराशा और विद्रोह के भाव को प्रतीकों और संवादों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है147.
- ग़ज़ल की शैली, छंद, प्रतीक और भाषा की विशिष्टता का अध्ययन किया जाता है15.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी ग़ज़ल की शैली, संरचना और प्रतीकों की पहचान कर सकेंगे15.
- दुष्यंत कुमार की ग़ज़ल में सामाजिक-राजनीतिक यथार्थ को समझ सकेंगे147.
- कविता के भावार्थ, संदर्भ-व्याख्या और शेरों की व्याख्या लिख सकेंगे147.
- आम आदमी की पीड़ा, विद्रोह और व्यवस्था पर कटाक्ष को स्पष्ट कर सकेंगे14.
- ग़ज़ल विधा की विशेषताओं और भाषा की सशक्तता का विश्लेषण कर सकेंगे15.

Pedagogical strategies:

- ग़ज़ल का वाचन, भावार्थ और संदर्भ-व्याख्या कराना134.
- समूह चर्चा द्वारा सामाजिक-राजनीतिक समस्याओं पर विचार-विमर्श14.
- शेरों की व्याख्या और प्रतीकों की पहचान का अभ्यास कराना15.
- रचनात्मक लेखन: “आज के समाज पर एक ग़ज़ल” विषय पर लेखन17.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स के माध्यम से ग़ज़ल का अनुभव कराना23.

Integration with other subjects:

- समाजशास्त्र में सामाजिक समस्याओं और असमानता का अध्ययन14.
- राजनीति विज्ञान में लोकतंत्र और व्यवस्था पर चर्चा14.
- अंग्रेज़ी में Satirical Poetry से तुलना17.
- इतिहास में सामाजिक आंदोलनों और बदलावों का अध्ययन14.
- संगीत में ग़ज़ल गायन और प्रस्तुति12.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (भावार्थ, शेर व्याख्या)14.
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) ग़ज़ल के मुख्य बिंदुओं पर17.
- ग़ज़ल का सारांश और संदर्भ-व्याख्या लिखना14.
- प्रतीकों और भाषा की शक्ति पर प्रश्न15.
- रचनात्मक लेखन: सामाजिक समस्या पर ग़ज़ल लिखना17.

Resources /digital/ physical:

- NCERT आरोह भाग-1 पाठ्यपुस्तक56.
- ग़ज़ल की ऑडियो-वीडियो क्लिप्स23.

- कार्यपत्रक व नोट्स14.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल610.
- ग़ज़ल गायन के उदाहरण और पोस्टर2.

Extension/real life applications:

- सामाजिक-राजनीतिक समस्याओं पर विचार व्यक्त करना14.
- ग़ज़ल लेखन प्रतियोगिता में भागीदारी17.
- मंच पर ग़ज़ल पाठ या प्रस्तुति देना23.
- समसामयिक मुद्दों पर ग़ज़ल के माध्यम से जागरूकता फैलाना14.
- संवाद, आलोचना और अभिव्यक्ति के कौशल का विकास15.

21st century skills, value education, vocational skills:

- आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच का विकास14.
- संवाद, टीमवर्क और नेतृत्व कौशल17.
- डिजिटल साक्षरता (ऑडियो-वीडियो संसाधनों का उपयोग)23.
- नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और अभिव्यक्ति कौशल14.
- साहित्यिक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक संवेदनशीलता15.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने ग़ज़ल की शैली, प्रतीकों और सामाजिक कटाक्ष को समझा14.
- कुछ छात्रों को शेरों की व्याख्या और भावार्थ में सहायता की आवश्यकता रही14.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- ग़ज़ल के शेरों की व्याख्या और भावार्थ को सरल भाषा में समझाना14.
- प्रतीकों और भाषा की शक्ति की पहचान में अभ्यास कराना15.

- सामाजिक-राजनीतिक संदर्भों को व्यावहारिक उदाहरणों से स्पष्ट करना14.

Name of chapter: राजस्थान की रजत बूँदें (अनुपम मिश्र)

- **Name of teacher:** [अपना नाम लिखें]

  Designation: PGT (Hindi)
  Class: 11

  Subject: हिंदी (कृतिका भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

  Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *राजस्थान की जल समस्या और पारंपरिक समाधान*

Concept 2: संसाधन पूल – *कुंई निर्माण की प्रक्रिया और सामाजिक सहभागिता*

Concept 3: स्वयं – *जल संरक्षण के सांस्कृतिक और वैज्ञानिक पक्ष*

Name of chapter: राजस्थान की रजत बूँदें (अनुपम मिश्र)
Number of periods required: 3

Name of chapter: राजस्थान की रजत बूँदें (अनुपम मिश्र)

Concepts:

- राजस्थान की रेतीली भूमि में जल संरक्षण की ऐतिहासिक और वैज्ञानिक पद्धतियों का अध्ययन126.
- कुंई जैसी संरचनाओं के निर्माण में सामाजिक सहभागिता और परंपरागत ज्ञान की भूमिका34.
- जल की महत्ता, उसके संरक्षण और सामुदायिक जिम्मेदारी का सांस्कृतिक पक्ष25.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी राजस्थान की जल समस्या और उसके पारंपरिक समाधान समझ सकेंगे12.
- कुंई निर्माण की प्रक्रिया, तकनीकी और सामाजिक पहलुओं का विश्लेषण कर सकेंगे36.
- जल संरक्षण के महत्व और सामुदायिक सहभागिता की आवश्यकता पहचान सकेंगे24.
- पाठ में प्रयुक्त शब्दावली, बिंब और सांस्कृतिक सन्दर्भों को स्पष्ट कर सकेंगे5.

- जल संरक्षण से जुड़े अपने विचार और अनुभव साझा कर सकेंगे.

Pedagogical strategies:

- पाठ का वाचन और भावार्थ स्पष्ट करना.
- समूह चर्चा द्वारा जल संरक्षण के आधुनिक और पारंपरिक उपायों की तुलना.
- कुंई निर्माण की प्रक्रिया का चार्ट/चित्र के माध्यम से विश्लेषण.
- रचनात्मक लेखन: "जल ही जीवन है" विषय पर अनुच्छेद.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स से राजस्थान की जल संरचनाओं का दृश्य अनुभव9.

Integration with other subjects:

- भूगोल में मरुस्थलीय क्षेत्रों की जल समस्या का अध्ययन.
- विज्ञान में जल चक्र और संरक्षण तकनीकों की चर्चा.
- समाजशास्त्र में सामुदायिक सहभागिता और परंपरागत ज्ञान.
- इतिहास में जल प्रबंधन की ऐतिहासिक प्रणालियाँ.
- कला में कुंई और जल स्रोतों का चित्रांकन.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (कुंई, जल संरक्षण, सामाजिक भूमिका)24.
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) पाठ के मुख्य बिंदुओं पर10.
- कुंई निर्माण की प्रक्रिया का वर्णनात्मक प्रश्न.
- जल संरक्षण पर रचनात्मक लेखन/पोस्टर बनाना.
- शब्दार्थ, बिंब और सांस्कृतिक सन्दर्भों की पहचान.

Resources /digital/ physical:

- NCERT कृतिका भाग-1 पाठ्यपुस्तक7.

- कुंई निर्माण की प्रक्रिया के चार्ट/चित्र.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स (राजस्थान की जल संरचनाओं पर)9.
- कार्यपत्रक व नोट्स.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- अपने क्षेत्र में जल संरक्षण के उपायों की पहचान और चर्चा.
- विद्यालय में वर्षा जल संचयन प्रणाली का प्रस्ताव/अभ्यास.
- जल संरक्षण पर जागरूकता अभियान में भागीदारी.
- सामुदायिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए सुझाव देना.
- जल संरक्षण के नवाचारों पर प्रोजेक्ट कार्य.

21st century skills, value education, vocational skills:

- समस्या समाधान और नवाचार कौशल का विकास.
- सामुदायिक सहभागिता, नेतृत्व और संवाद कौशल.
- डिजिटल साक्षरता (ऑडियो-वीडियो संसाधनों का उपयोग).
- पर्यावरणीय नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी.
- जल प्रबंधन और संरक्षण के व्यावसायिक कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने जल संरक्षण की पारंपरिक तकनीकों और सामुदायिक भूमिका को समझा.
- कुछ छात्रों को कुंई निर्माण की प्रक्रिया और शब्दावली में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- कुंई निर्माण की प्रक्रिया को चित्रों और सरल भाषा में पुनः समझाना.

- जल संरक्षण के सांस्कृतिक और वैज्ञानिक पक्ष को उदाहरणों से स्पष्ट करना.
- पाठ की शब्दावली और बिंबों की पहचान का अभ्यास कराना.

Number of periods: 3

Name of chapter: रोजगार संबंधी आवेदन पत्र

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (अभिव्यक्ति और माध्यम, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *रोजगार संबंधी आवेदन पत्र का प्रारूप और उद्देश्य*

Concept 2: संसाधन पूल – *आवेदन पत्र की भाषा, शिष्टाचार और विषय-वस्तु*

Concept 3: स्वयं – *स्ववृत्त (बायोडेटा) संलग्न करने की प्रक्रिया*

Name of chapter: रोजगार संबंधी आवेदन पत्र

Number of periods required: 3

Concepts:

- रोजगार संबंधी आवेदन पत्र में भूमिका, योग्यता, रुचि और समापन का स्पष्ट उल्लेख आवश्यक है1234.
- आवेदन पत्र में औपचारिक भाषा, शिष्टाचार और संक्षिप्तता का प्रयोग किया जाता है23.
- स्ववृत्त (बायोडेटा) को आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक होता है13.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी रोजगार संबंधी आवेदन पत्र का सही प्रारूप और संरचना समझ सकेंगे123.
- औपचारिक भाषा, शिष्टाचार और संक्षिप्तता का प्रयोग करना सीखेंगे2.
- स्ववृत्त (बायोडेटा) संलग्न करने की प्रक्रिया जानेंगे13.

- विषय-वस्तु के चारों भागों की पहचान और उपयोग कर सकेंगे23.
- पत्र लेखन के माध्यम से व्यावहारिक जीवन में आवेदन करना सीखेंगे12.

Pedagogical strategies:

- उदाहरण सहित आवेदन पत्र का प्रारूप समझाना और लिखवाना12.
- समूह में आवेदन पत्र लेखन का अभ्यास कराना2.
- आवेदन पत्र की समीक्षा एवं सहपाठी मूल्यांकन कराना2.
- वास्तविक विज्ञापन के आधार पर आवेदन पत्र लिखवाना13.
- डिजिटल संसाधनों का उपयोग (ऑनलाइन पत्र लेखन अभ्यास)2.

Integration with other subjects:

- अंग्रेज़ी में जॉब एप्लिकेशन लेटर से तुलना कराना.
- वाणिज्य में व्यावसायिक पत्राचार का अध्ययन कराना.
- सूचना प्रौद्योगिकी में ई-मेल आवेदन पत्र लेखन का अभ्यास.
- नैतिक शिक्षा में शिष्टाचार और ईमानदारी का महत्व.
- करियर काउंसलिंग में रिज़्यूमे/सीवी निर्माण से जोड़ना.

Assessment (item format):

- आवेदन पत्र के प्रारूप की पहचान पर लघु प्रश्न.
- दिए गए विज्ञापन पर आवेदन पत्र लिखना.
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) विषय-वस्तु पर आधारित.
- भाषा, शिष्टाचार और संक्षिप्तता का मूल्यांकन.
- स्ववृत्त (बायोडेटा) संलग्न करने का अभ्यास कार्य.

Resources /digital/ physical:

- NCERT अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक57.
- आवेदन पत्र के उदाहरण (प्रिंट/डिजिटल)123.
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका.
- प्रोजेक्टर/स्मार्ट बोर्ड.
- ऑनलाइन पत्र लेखन अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- नौकरी के लिए वास्तविक आवेदन पत्र तैयार करना.
- प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवेदन पत्र लेखन अभ्यास.
- ई-मेल या डिजिटल आवेदन पत्र लेखन में दक्षता.
- करियर काउंसलिंग में स्ववृत्त निर्माण.
- व्यावसायिक जीवन में पत्राचार का प्रयोग.

21st century skills, value education, vocational skills:

- संवाद और अभिव्यक्ति कौशल का विकास.
- डिजिटल साक्षरता (ई-मेल, ऑनलाइन आवेदन).
- शिष्टाचार, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी.
- समस्या समाधान और निर्णय क्षमता.
- व्यावसायिक पत्राचार के व्यावहारिक कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने आवेदन पत्र के प्रारूप, भाषा और संलग्नक को समझा.
- कुछ छात्रों को विषय-वस्तु की स्पष्टता और संक्षिप्तता में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- आवेदन पत्र के प्रारूप और विषय-वस्तु की पुनरावृत्ति.
- शिष्टाचार और भाषा की त्रुटियों का सुधार.
- स्ववृत्त संलग्न करने की प्रक्रिया का अभ्यास कराना.

Name of chapter: हिंदी शब्दकोश (कोश-एक परिचय)

- **Name of teacher:** [अपना नाम लिखें]
  Designation: PGT (Hindi)
  Class: 11
  Subject: हिंदी (अभिव्यक्ति और माध्यम, एन.सी.ई.आर.टी.)
  Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन
- **Concept 1:** स्वयं – *शब्दकोश का अर्थ, परिभाषा और महत्व*
  Concept 2: संसाधन पूल – *शब्दकोश की रचना, क्रम और प्रयोग पद्धति*
  Concept 3: स्वयं – *संदर्भ-ग्रंथों के प्रकार और शब्दकोश का व्यावहारिक उपयोग*
- **Name of chapter:** हिंदी शब्दकोश (कोश-एक परिचय)
  Number of periods required: 3
- **Concepts:**
- शब्दकोश का अर्थ, उद्देश्य और भाषा में उसकी उपयोगिता की समझ विकसित करना23.
- हिंदी शब्दकोश में शब्दों के क्रम, संरचना और खोज पद्धति को जानना234.
- संदर्भ-ग्रंथ, विश्वकोश, साहित्यकोश आदि के प्रकार और शब्दकोश के व्यावहारिक प्रयोग को समझना43.
- **Learning outcomes (NCERT):**
- विद्यार्थी शब्दकोश के महत्व और उसकी परिभाषा स्पष्ट कर सकेंगे23.
- शब्दकोश में शब्दों के क्रम और खोज पद्धति को व्यवहार में ला सकेंगे25.
- संदर्भ-ग्रंथों के प्रकार और उनकी उपयोगिता पहचान सकेंगे43.

- कठिन शब्दों का अर्थ, लिंग, प्रयोग आदि शब्दकोश से निकाल सकेंगे34.
- भाषा ज्ञान, शब्द चयन और वर्तनी सुधार में शब्दकोश का प्रयोग करना सीखेंगे34.
- **Pedagogical strategies:**
- शब्दकोश का परिचय और उदाहरण सहित प्रयोग विधि समझाना23.
- शब्दकोशीय क्रम में शब्दों को व्यवस्थित करने का अभ्यास कराना54.
- संदर्भ-ग्रंथों के प्रकार पर समूह चर्चा कराना43.
- कठिन शब्दों को खोजने की गतिविधि कराना34.
- डिजिटल शब्दकोश/ऑनलाइन संसाधनों का प्रदर्शन और अभ्यास25.
- **Integration with other subjects:**
- अंग्रेज़ी में डिक्शनरी प्रयोग से तुलना कराना.
- सूचना प्रौद्योगिकी में ऑनलाइन शब्दकोश का उपयोग.
- व्याकरण में शब्दों के लिंग, वर्तनी और प्रयोग का अभ्यास.
- साहित्य में कठिन शब्दों के अर्थ निकालना.
- सामान्य ज्ञान में विश्वकोश और संदर्भ-ग्रंथों का महत्व.
- **Assessment (item format):**
- शब्दकोशीय क्रम में शब्दों को लिखने का अभ्यास54.
- लघु प्रश्न: शब्दकोश के अर्थ, उद्देश्य और प्रकार.
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) शब्दकोश की रचना व प्रयोग पर.
- संदर्भ-ग्रंथों के प्रकार पर वर्णनात्मक प्रश्न.
- कठिन शब्दों का अर्थ शब्दकोश से निकालकर लिखना.
- **Resources /digital/ physical:**

- NCERT अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक7.
- हिंदी शब्दकोश (प्रिंट/ऑनलाइन)25.
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका.
- डिजिटल शब्दकोश/मोबाइल ऐप्स का प्रदर्शन25.
- संदर्भ-ग्रंथों के उदाहरण (विश्वकोश, साहित्यकोश आदि).
- **Extension/real life applications:**
- दैनिक जीवन में कठिन शब्दों के अर्थ खोजने की आदत डालना.
- ऑनलाइन शब्दकोश या ऐप्स का व्यवहारिक उपयोग करना.
- प्रतियोगी परीक्षाओं में शब्दकोश का प्रयोग.
- अन्य भाषाओं के शब्दकोशों से तुलना करना.
- संदर्भ-ग्रंथों का उपयोग त्वरित जानकारी के लिए करना.
- **21st century skills, value education, vocational skills:**
- डिजिटल साक्षरता व सूचना खोज कौशल का विकास25.
- भाषा की शुद्धता और अभिव्यक्ति क्षमता में वृद्धि.
- समस्या समाधान और स्वतंत्र अध्ययन की आदत.
- संदर्भ-ग्रंथों का व्यावहारिक उपयोग और विश्लेषण क्षमता.
- टीमवर्क और संवाद कौशल (समूह गतिविधियों में).
- **Post teaching reflection:**
- विद्यार्थियों ने शब्दकोश की रचना, क्रम और प्रयोग विधि को समझा.
- कुछ छात्रों को शब्दकोशीय क्रम और संदर्भ-ग्रंथों के प्रकार में कठिनाई रही.
- **Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):**

- शब्दकोशीय क्रम में शब्द व्यवस्थित करने का पुनः अभ्यास कराना5[4].
- संदर्भ-ग्रंथों के प्रकार और उदाहरण सरल भाषा में समझाना[4].
- शब्दकोश के व्यावहारिक प्रयोग को दैनिक अभ्यास में शामिल कराना[3].
- **Number of periods:** 3

Name of chapter: संदर्भ ग्रंथों की उपयोगिता एवं परिचय

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (अभिव्यक्ति और माध्यम, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *संदर्भ ग्रंथों का अर्थ और प्रकार*

Concept 2: संसाधन पूल – *संदर्भ ग्रंथों की उपयोगिता और खोज विधि*

Concept 3: स्वयं – *शिक्षा, शोध और दैनिक जीवन में संदर्भ ग्रंथों का महत्व*

Name of chapter: संदर्भ ग्रंथों की उपयोगिता एवं परिचय

Number of periods required: 3

Concepts:

- संदर्भ ग्रंथों के प्रकार: विश्वकोश, साहित्यकोश, चरित्रकोश, आदि का परिचय देना.
- संदर्भ ग्रंथों से त्वरित, प्रमाणिक और विस्तृत जानकारी प्राप्त करने की विधि समझाना.
- शिक्षा, शोध, प्रतियोगी परीक्षा व सामान्य ज्ञान में संदर्भ ग्रंथों की भूमिका स्पष्ट करना.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी संदर्भ ग्रंथों का अर्थ, प्रकार और विशेषताएँ स्पष्ट कर सकेंगे.
- संदर्भ ग्रंथों का प्रयोग कर त्वरित जानकारी खोज सकेंगे.

- विश्वकोश, साहित्यकोश, चरित्रकोश आदि के उदाहरण पहचान सकेंगे.
- संदर्भ ग्रंथों की आवश्यकता और उपयोगिता पर विचार कर सकेंगे.
- शोध और अध्ययन में संदर्भ ग्रंथों के महत्व को आत्मसात करेंगे.

Pedagogical strategies:

- संदर्भ ग्रंथों का परिचय और उदाहरण सहित समझाना.
- समूह में संदर्भ ग्रंथों की खोज और उपयोग पर अभ्यास कराना.
- डिजिटल और प्रिंट संदर्भ ग्रंथों का प्रदर्शन कराना.
- प्रश्नोत्तरी द्वारा संदर्भ ग्रंथों की पहचान और उपयोगिता पर चर्चा.
- रचनात्मक गतिविधि: किसी विषय पर संदर्भ ग्रंथ से जानकारी एकत्र करना.

Integration with other subjects:

- अंग्रेज़ी में Encyclopedia/Reference Books से तुलना.
- विज्ञान में वैज्ञानिक संदर्भ ग्रंथों का प्रयोग.
- इतिहास में ऐतिहासिक संदर्भ ग्रंथों का उपयोग.
- सूचना प्रौद्योगिकी में डिजिटल संदर्भ ग्रंथों की खोज.
- सामान्य ज्ञान और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में संदर्भ ग्रंथों का महत्व.

Assessment (item format):

- लघु प्रश्न: संदर्भ ग्रंथों के प्रकार और उदाहरण.
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) संदर्भ ग्रंथों की विशेषताओं पर.
- संदर्भ ग्रंथों से जानकारी खोजने का अभ्यास कार्य.
- वर्णनात्मक प्रश्न: संदर्भ ग्रंथों की उपयोगिता.
- रचनात्मक कार्य: किसी विषय पर संदर्भ ग्रंथ से नोट्स बनाना.

Resources /digital/ physical:

- NCERT अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक.
- प्रिंट और डिजिटल संदर्भ ग्रंथ (विश्वकोश, साहित्यकोश आदि).
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका.
- डिजिटल लाइब्रेरी/ऑनलाइन संदर्भ ग्रंथ.
- स्मार्ट बोर्ड या प्रोजेक्टर द्वारा संदर्भ ग्रंथों का प्रदर्शन.

Extension/real life applications:

- प्रतियोगी परीक्षाओं में त्वरित जानकारी के लिए संदर्भ ग्रंथों का प्रयोग.
- शोध प्रबंध, निबंध लेखन में प्रमाणिक जानकारी हेतु संदर्भ ग्रंथों की सहायता.
- डिजिटल संदर्भ ग्रंथों का व्यवहारिक उपयोग सीखना.
- सामान्य ज्ञान बढ़ाने के लिए संदर्भ ग्रंथों का अध्ययन.
- अध्ययन और अनुसंधान में संदर्भ ग्रंथों का नियमित उपयोग.

21st century skills, value education, vocational skills:

- सूचना खोज, विश्लेषण और डिजिटल साक्षरता का विकास.
- स्वाध्याय, समस्या समाधान और अनुसंधान कौशल.
- प्रमाणिकता, सत्यता और नैतिकता का बोध.
- टीमवर्क और संवाद कौशल (समूह गतिविधियों में).
- व्यावसायिक अध्ययन और शोध में संदर्भ ग्रंथों का प्रयोग.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने संदर्भ ग्रंथों के प्रकार, उपयोगिता और खोज विधि को समझा.
- कुछ छात्रों को डिजिटल संदर्भ ग्रंथों की खोज में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- संदर्भ ग्रंथों के प्रकार और उदाहरणों को पुनः सरल भाषा में समझाना.
- डिजिटल संदर्भ ग्रंथों की खोज और प्रयोग का अभ्यास कराना.
- संदर्भ ग्रंथों से जानकारी खोजने की विधि को दोहराना.

Number of periods: 3

Name of chapter: कार्यालयी लेखन: प्रतिवेदन, परिपत्र, प्रेस विज्ञप्ति, कार्यवृत्त इत्यादि

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (अभिव्यक्ति और माध्यम, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *कार्यालयी लेखन का अर्थ, प्रकार और महत्व*

Concept 2: संसाधन पूल – *प्रतिवेदन, परिपत्र, प्रेस विज्ञप्ति, कार्यवृत्त की संरचना*

Concept 3: स्वयं – *कार्यालयी लेखन में भाषा, शिष्टाचार और व्यावहारिकता*

Name of chapter: कार्यालयी लेखन: प्रतिवेदन, परिपत्र, प्रेस विज्ञप्ति, कार्यवृत्त इत्यादि
Number of periods required: 3

Concepts:

- कार्यालयी लेखन में सूचना, निर्णय और संवाद के लिए विविध विधाओं का प्रयोग होता है13.
- प्रतिवेदन, परिपत्र, प्रेस विज्ञप्ति और कार्यवृत्त का स्वरूप, उद्देश्य और महत्व भिन्न-भिन्न है45.
- इन विधाओं में भाषा सुस्पष्ट, संक्षिप्त, तर्कसंगत और औपचारिक होनी चाहिए13.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी कार्यालयी लेखन की विभिन्न विधाओं का प्रारूप और उद्देश्य समझ सकेंगे.
- प्रतिवेदन, परिपत्र, प्रेस विज्ञप्ति, कार्यवृत्त आदि का सही प्रारूप लिख सकेंगे.

- भाषा की औपचारिकता, संक्षिप्तता और तर्कसंगतता का प्रयोग करना सीखेंगे.
- कार्यालयीन संचार में शिष्टाचार और स्पष्टता का महत्व जानेंगे.
- वास्तविक जीवन में कार्यालयी लेखन का व्यावहारिक उपयोग कर सकेंगे.

Pedagogical strategies:

- उदाहरण सहित कार्यालयी लेखन के विभिन्न प्रारूप समझाना.
- समूह में प्रतिवेदन, परिपत्र, प्रेस विज्ञप्ति, कार्यवृत्त लिखवाना.
- वास्तविक कार्यालयीन परिस्थितियों पर आधारित अभ्यास कार्य देना.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स से कार्यालयी लेखन का दृश्य अनुभव कराना24.
- सहपाठी मूल्यांकन और फीडबैक के माध्यम से सुधार कराना.

Integration with other subjects:

- अंग्रेज़ी में ऑफिस कम्युनिकेशन से तुलना कराना.
- वाणिज्य में व्यावसायिक रिपोर्ट लेखन का अभ्यास.
- सूचना प्रौद्योगिकी में ई-मेल, डिजिटल ऑफिस लेखन.
- समाजशास्त्र में संस्थागत संवाद और निर्णय प्रक्रिया.
- नागरिक शास्त्र में प्रशासनिक प्रक्रिया और रिपोर्टिंग.

Assessment (item format):

- प्रतिवेदन, परिपत्र, प्रेस विज्ञप्ति, कार्यवृत्त का प्रारूप लिखवाना.
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) कार्यालयी लेखन के स्वरूप पर.
- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (महत्व, उद्देश्य, भाषा).
- कार्यालयी लेखन की त्रुटियों की पहचान और सुधार कराना.
- वास्तविक परिस्थिति आधारित कार्यालयी लेखन का अभ्यास कार्य.

Resources /digital/ physical:

- NCERT अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक.
- कार्यालयी लेखन के उदाहरण (प्रिंट/डिजिटल)56.
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स (कार्यालयी लेखन पर)24.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- विद्यालय या संस्था में प्रतिवेदन/परिपत्र तैयार करना.
- प्रेस विज्ञप्ति या कार्यवृत्त लिखने का अभ्यास.
- प्रतियोगी परीक्षाओं में कार्यालयी लेखन का प्रयोग.
- डिजिटल माध्यम से कार्यालयी संचार करना सीखना.
- व्यावसायिक जीवन में रिपोर्टिंग और सूचना आदान-प्रदान.

21st century skills, value education, vocational skills:

- संवाद, अभिव्यक्ति और टीमवर्क कौशल का विकास.
- डिजिटल साक्षरता (ऑनलाइन ऑफिस लेखन).
- समस्या समाधान और निर्णय क्षमता.
- नैतिकता, शिष्टाचार और सामाजिक जिम्मेदारी.
- व्यावसायिक कार्यालयी लेखन के व्यावहारिक कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने कार्यालयी लेखन के प्रारूप, भाषा और व्यावहारिकता को समझा.
- कुछ छात्रों को प्रारूप और औपचारिक भाषा में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- कार्यालयी लेखन के प्रारूप और भाषा की पुनरावृत्ति.
- प्रतिवेदन, परिपत्र, प्रेस विज्ञप्ति, कार्यवृत्त के उदाहरणों से अभ्यास कराना.
- औपचारिकता और संक्षिप्तता का महत्व सरल उदाहरणों से समझाना.

Number of periods: 3

Name of chapter: रजनी (मन्नू भंडारी)

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (आरोह भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *रजनी का चरित्र: साहस, न्यायप्रियता और संघर्षशीलता*

Concept 2: संसाधन पूल – *शिक्षा में व्याप्त सामाजिक बुराइयाँ और ट्यूशन प्रथा*

Concept 3: स्वयं – *नारी की पारंपरिक छवि बनाम रजनी का विद्रोही स्वरूप*

Name of chapter: रजनी (मन्नू भंडारी)

Number of periods required: 3

Concepts:

- रजनी के माध्यम से अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने वाली नारी का चित्रण.
- शिक्षा व्यवस्था में ट्यूशन प्रथा, भ्रष्टाचार और सामाजिक बुराइयों का विश्लेषण.
- पारंपरिक नारी छवि के विपरीत, रजनी का साहसी, कर्मठ और आदर्श व्यक्तित्व.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी रजनी के चरित्र और उसकी विशेषताओं को समझ सकेंगे.

- शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं और सामाजिक बुराइयों की पहचान कर सकेंगे.
- अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और सामाजिक बदलाव का महत्व जानेंगे.
- संवाद, पटकथा और दृश्य संरचना का विश्लेषण कर सकेंगे.
- नारी सशक्तिकरण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करेंगे235.

Pedagogical strategies:

- पाठ का वाचन और भावार्थ स्पष्ट करना.
- समूह चर्चा: शिक्षा में भ्रष्टाचार और ट्यूशन प्रथा पर विचार-विमर्श.
- रजनी के चरित्र पर संवादात्मक गतिविधि.
- दृश्य/पटकथा लेखन का अभ्यास कराना.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स से रजनी धारावाहिक का अनुभव कराना16.

Integration with other subjects:

- समाजशास्त्र में नारी सशक्तिकरण और सामाजिक परिवर्तन.
- नागरिक शास्त्र में अधिकार, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्य.
- अंग्रेज़ी में Script Writing और Character Analysis से तुलना.
- नैतिक शिक्षा में साहस, सत्य और कर्तव्य की चर्चा.
- मीडिया अध्ययन में धारावाहिक और पटकथा लेखन.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (चरित्र, संवाद, विषय).
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) पाठ के मुख्य बिंदुओं पर.
- रजनी के चरित्र का विश्लेषणात्मक लेखन.
- शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं पर निबंध.

- दृश्य लेखन या संवाद लेखन का अभ्यास कार्य.

Resources /digital/ physical:

- NCERT आरोह भाग-1 पाठ्यपुस्तक.
- रजनी धारावाहिक की ऑडियो-वीडियो क्लिप्स1[6].
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका.
- चरित्र चित्रण के लिए पोस्टर/चार्ट.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- विद्यालय में अन्याय या भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाना.
- सामाजिक समस्याओं पर मंचन या नाट्य प्रस्तुति.
- नारी सशक्तिकरण पर जागरूकता अभियान चलाना.
- संवाद और नेतृत्व कौशल का व्यावहारिक प्रयोग.
- शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए सुझाव देना.

21st century skills, value education, vocational skills:

- संवाद, नेतृत्व और टीमवर्क कौशल का विकास.
- आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच.
- डिजिटल साक्षरता (ऑडियो-वीडियो संसाधनों का उपयोग).
- नैतिकता, साहस और सामाजिक जिम्मेदारी.
- पटकथा लेखन व मीडिया अध्ययन के व्यावसायिक कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने रजनी के चरित्र और शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं को समझा.

- कुछ छात्रों को पटकथा शैली और संवाद विश्लेषण में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- पटकथा और संवाद शैली को सरल उदाहरणों से समझाना.
- रजनी के चरित्र और सामाजिक बुराइयों का पुनरावलोकन कराना.
- शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं पर अतिरिक्त चर्चा और अभ्यास कार्य.

Number of periods: 3

Name of chapter: जामुन का पेड़ (कृश्नचंदर)

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (आरोह भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *हास्य-व्यंग्य के माध्यम से सरकारी तंत्र की संवेदनहीनता*

Concept 2: संसाधन पूल – *फाइलों का चक्कर और विभागीय जटिलता*

Concept 3: स्वयं – *सामाजिक संवेदना, स्वार्थपरता और प्रशासनिक विडंबना*

Name of chapter: जामुन का पेड़ (कृश्नचंदर)
Number of periods required: 3

Concepts:

- सरकारी दफ्तरों में फाइलों के चक्कर और विभागीय जटिलता का हास्य-व्यंग्यपूर्ण चित्रण.
- आम आदमी की उपेक्षा और संवेदनहीनता का सामाजिक यथार्थ.
- स्वार्थपरता, प्रशासनिक उदासीनता और मानवीय मूल्यों का क्षरण.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी सरकारी तंत्र की जटिलता और हास्य-व्यंग्य की शैली को समझ सकेंगे13.

- कहानी में फाइलों के घूमने और विभागीय प्रक्रिया का विश्लेषण कर सकेंगे34.
- सामाजिक संवेदना, स्वार्थपरता और प्रशासनिक विडंबना की पहचान कर सकेंगे13.
- पात्रों के संवाद और घटनाओं के माध्यम से कथा का भावार्थ स्पष्ट कर सकेंगे34.
- हास्य-व्यंग्य के साहित्यिक महत्व और सामाजिक संदेश को आत्मसात करेंगे13.

Pedagogical strategies:

- पाठ का वाचन और भावार्थ स्पष्ट करना.
- समूह चर्चा: सरकारी तंत्र, फाइलों का चक्कर और संवेदनहीनता.
- हास्य-व्यंग्य की शैली और कथानक पर संवादात्मक गतिविधि.
- रचनात्मक लेखन: “अगर मैं उस पेड़ के नीचे दबा होता...” विषय पर अनुच्छेद.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स के माध्यम से कहानी का अनुभव कराना.

Integration with other subjects:

- समाजशास्त्र में प्रशासनिक व्यवस्था और सामाजिक संवेदना.
- नागरिक शास्त्र में सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली.
- अंग्रेज़ी में Satirical Stories से तुलना.
- नैतिक शिक्षा में मानवीय मूल्यों और सहानुभूति की चर्चा.
- मीडिया अध्ययन में प्रशासनिक विडंबना पर रिपोर्टिंग.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (भावार्थ, विश्लेषण, पात्र).
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) कहानी के मुख्य बिंदुओं पर.
- फाइलों के घूमने की प्रक्रिया का वर्णनात्मक प्रश्न.
- संवाद और हास्य-व्यंग्य की शैली पर प्रश्न.

- रचनात्मक लेखन: प्रशासनिक उदासीनता पर विचार प्रस्तुत करना.

Resources /digital/ physical:

- NCERT आरोह भाग-1 पाठ्यपुस्तक.
- कहानी की ऑडियो-वीडियो क्लिप्स258.
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका.
- सरकारी दफ्तरों की प्रक्रिया के चित्र/पोस्टर.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- सरकारी तंत्र में होने वाली देरी के अनुभव साझा करना.
- सामाजिक संवेदना और सहानुभूति की आवश्यकता पर चर्चा.
- हास्य-व्यंग्य के माध्यम से सामाजिक बुराइयों पर जागरूकता.
- प्रशासनिक प्रक्रिया में सुधार के सुझाव देना.
- व्यावहारिक जीवन में मानवीय मूल्यों का पालन करना.

21st century skills, value education, vocational skills:

- आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच का विकास.
- संवाद, टीमवर्क और नेतृत्व कौशल.
- डिजिटल साक्षरता (ऑडियो-वीडियो संसाधनों का उपयोग).
- नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और सहानुभूति.
- प्रशासनिक प्रक्रिया और रिपोर्टिंग के व्यावसायिक कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने सरकारी तंत्र, हास्य-व्यंग्य और सामाजिक संवेदना को समझा.

- कुछ छात्रों को विभागीय प्रक्रिया और विडंबना की व्याख्या में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- विभागीय प्रक्रिया और फाइल घूमने की पुनरावृत्ति.
- हास्य-व्यंग्य और विडंबना की शैली को सरल उदाहरणों से समझाना.
- मानवीय मूल्यों और संवेदना पर अतिरिक्त चर्चा कराना.

Number of periods: 3

Name of chapter: हे भूख मत मचल / हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर (अक्क महादेवी)

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11
Subject: हिंदी (आरोह भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *इंद्रियों पर नियंत्रण और आत्मसंयम का संदेश*

Concept 2: संसाधन पूल – *ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण और अहंकार का विनाश*

Concept 3: स्वयं – *कविता की भाषा, प्रतीक और शिल्प सौंदर्य*

Name of chapter: हे भूख मत मचल / हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर (अक्क महादेवी)
Number of periods required: 3

Concepts:

- मनुष्य को अपनी भूख, प्यास, नींद, क्रोध, मोह, लोभ आदि इंद्रियों पर नियंत्रण रखना चाहिए[2].
- ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण और भौतिक इच्छाओं से मुक्ति का भाव प्रस्तुत है[2].
- कविता में प्रतीकों, संबोधन और मानवीकरण का सुंदर प्रयोग हुआ है[2].

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी इंद्रियों पर नियंत्रण और आत्मसंयम का महत्व समझ सकेंगे2.
- कविता में ईश्वर-भक्ति और समर्पण की भावना को पहचान सकेंगे2.
- प्रतीकों, भाषा और शैली का विश्लेषण कर सकेंगे2.
- कविता का भावार्थ, संदर्भ-व्याख्या और काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कर सकेंगे25.
- आत्ममंथन, त्याग और भक्ति के भाव को आत्मसात करेंगे2.

Pedagogical strategies:

- कविता का वाचन, भावार्थ और संदर्भ-व्याख्या कराना24.
- समूह चर्चा: आत्मसंयम, भक्ति और समर्पण के संदर्भ में विचार-विमर्श2.
- कविता में प्रयुक्त प्रतीकों और भाषा पर विश्लेषणात्मक गतिविधि2.
- रचनात्मक लेखन: "मेरे जीवन में आत्मसंयम" विषय पर अनुच्छेद2.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स के माध्यम से कविता का अनुभव कराना34.

Integration with other subjects:

- नैतिक शिक्षा में आत्मसंयम, त्याग और भक्ति का महत्व2.
- दर्शनशास्त्र में आत्मनियंत्रण और मोक्ष की अवधारणा2.
- अंग्रेज़ी में Devotional Poetry से तुलना2.
- संगीत में भक्ति गीतों का अभ्यास2.
- कला में प्रतीकों का चित्रण और पोस्टर बनाना2.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (भावार्थ, विश्लेषण)25.
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) कविता के मुख्य बिंदुओं पर5.

- कविता का सारांश और संदर्भ-व्याख्या लिखना25.
- प्रतीकों और भाषा की पहचान पर प्रश्न2.
- रचनात्मक लेखन: आत्मसंयम या भक्ति पर अनुच्छेद2.

Resources /digital/ physical:

- NCERT आरोह भाग-1 पाठ्यपुस्तक8.
- कविता की ऑडियो-वीडियो क्लिप्स34.
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका2.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल2.
- प्रतीकों और भक्ति विषयक पोस्टर/चित्र2.

Extension/real life applications:

- दैनिक जीवन में आत्मसंयम और भक्ति का अभ्यास करना2.
- भौतिक इच्छाओं पर नियंत्रण के अनुभव साझा करना2.
- भक्ति गीतों या कविताओं का पाठ/गायन करना2.
- समाज में त्याग और सेवा के उदाहरण खोजना2.
- व्यक्तिगत जीवन में आत्ममंथन और आत्मनियंत्रण को अपनाना2.

21st century skills, value education, vocational skills:

- आत्मनियंत्रण, आत्ममंथन और नैतिकता का विकास2.
- संवाद, टीमवर्क और सहानुभूति कौशल2.
- डिजिटल साक्षरता (ऑडियो-वीडियो संसाधनों का उपयोग)34.
- रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच2.
- भक्ति साहित्य और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के व्यावसायिक कौशल2.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने आत्मसंयम, भक्ति और कविता के प्रतीकों को समझा.
- कुछ छात्रों को काव्य-सौंदर्य और भावार्थ में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- कविता के भावार्थ और प्रतीकों की पुनरावृत्ति और सरल व्याख्या2.
- आत्मसंयम और समर्पण के भाव को उदाहरणों से स्पष्ट करना2.
- कविता की भाषा और शैली को अभ्यास के माध्यम से समझाना2.

Number of periods: 3

Name of chapter: सबसे खतरनाक (अवतार सिंह पाश)

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (आरोह भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *सबसे खतरनाक स्थितियों की पहचान और उनका सामाजिक अर्थ*

Concept 2: संसाधन पूल – *कविता में अन्याय, निष्क्रियता और संवेदनहीनता का चित्रण*

Concept 3: स्वयं – *कविता की भाषा, प्रतीक, दोहराव और शिल्प*

Name of chapter: सबसे खतरनाक (अवतार सिंह पाश)

Number of periods required: 3

Concepts:

- कविता में मेहनत की लूट, पुलिस की मार या गद्दारी को सबसे खतरनाक नहीं, बल्कि सपनों का मर जाना और संवेदनहीनता सबसे खतरनाक बताया गया है124.

- समाज में निष्क्रियता, मुर्दा शांति और संवेदनहीन दृष्टि को सबसे बड़ी समस्या के रूप में प्रस्तुत किया गया है23.
- कविता की भाषा, प्रतीक, दोहराव और बिंब पाठक को गहराई से सोचने के लिए प्रेरित करते हैं7.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी कविता में वर्णित सबसे खतरनाक स्थितियों की पहचान और विश्लेषण कर सकेंगे12.
- सामाजिक निष्क्रियता, संवेदनहीनता और सपनों के मरने के खतरे को समझ सकेंगे24.
- कविता की भाषा, प्रतीक और शिल्पगत विशेषताओं को स्पष्ट कर सकेंगे7.
- कविता का भावार्थ, संदर्भ-व्याख्या और सामाजिक संदेश लिख सकेंगे310.
- अन्याय के विरुद्ध सक्रियता और जागरूकता की प्रेरणा ग्रहण करेंगे12.

Pedagogical strategies:

- कविता का वाचन, भावार्थ और संदर्भ-व्याख्या कराना.
- समूह चर्चा: सबसे खतरनाक क्या है और क्यों?
- कविता में प्रयुक्त प्रतीकों, दोहराव और शिल्प पर विश्लेषणात्मक गतिविधि.
- रचनात्मक लेखन: “मेरे लिए सबसे खतरनाक क्या है?” विषय पर अनुच्छेद.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स के माध्यम से कविता का अनुभव कराना5.

Integration with other subjects:

- समाजशास्त्र में सामाजिक निष्क्रियता और जनचेतना का अध्ययन.
- नैतिक शिक्षा में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का महत्व.
- नागरिक शास्त्र में लोकतांत्रिक अधिकार और कर्तव्य.
- अंग्रेज़ी में Protest Poetry से तुलना.
- मीडिया अध्ययन में सामाजिक संदेश और जन आंदोलन.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (भावार्थ, विश्लेषण, प्रतीक)310.
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) कविता के मुख्य बिंदुओं पर.
- कविता का सारांश और संदर्भ-व्याख्या लिखना.
- कविता के आधार पर सामाजिक समस्याओं पर प्रश्न.
- रचनात्मक लेखन: सपनों के मरने या निष्क्रियता पर अनुच्छेद.

Resources /digital/ physical:

- NCERT आरोह भाग-1 पाठ्यपुस्तक48.
- कविता की ऑडियो-वीडियो क्लिप्स5.
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका.
- सामाजिक समस्याओं के पोस्टर/चित्र.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- समाज में निष्क्रियता या अन्याय के उदाहरण साझा करना.
- अन्याय के विरुद्ध सक्रियता और जनचेतना विकसित करना.
- कविता पाठ या मंचन के माध्यम से संदेश देना.
- व्यक्तिगत सपनों और सामाजिक जिम्मेदारी पर चर्चा.
- सामाजिक आंदोलनों में भागीदारी के लिए प्रेरित करना.

21st century skills, value education, vocational skills:

- आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच का विकास.
- संवाद, टीमवर्क और नेतृत्व कौशल.
- डिजिटल साक्षरता (ऑडियो-वीडियो संसाधनों का उपयोग).

- नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और सक्रिय नागरिकता.
- अभिव्यक्ति, प्रस्तुति और प्रेरणा देने के कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने कविता के सामाजिक संदेश, प्रतीक और भाषा को समझा.
- कुछ छात्रों को कविता के भावार्थ और दोहराव की व्याख्या में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- कविता के भावार्थ और प्रतीकों की पुनरावृत्ति और सरल व्याख्या.
- निष्क्रियता और सपनों के मरने के खतरे को उदाहरणों से स्पष्ट करना.
- कविता की भाषा और शैली को अभ्यास के माध्यम से समझाना.

Number of periods: 3

Name of chapter: आलो आँधारि (बेबी हालदार)

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (कृतिका भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *बेबी हालदार की आत्मकथा में स्त्री संघर्ष और सामाजिक यथार्थ*

Concept 2: संसाधन पूल – *गरीबी, घरेलू हिंसा और श्रमिक वर्ग की समस्याएँ*

Concept 3: स्वयं – *आत्मनिर्भरता, शिक्षा और सामाजिक बदलाव की प्रेरणा*

Name of chapter: आलो आँधारि (बेबी हालदार)
Number of periods required: 3

Concepts:

- एक परित्यक्ता स्त्री के संघर्ष, समाज की उपेक्षा और श्रमिक जीवन की सच्चाई का चित्रण23456.

- गरीबी, घरेलू हिंसा, बच्चों की चिंता, और सामाजिक कुरीतियों का मार्मिक वर्णन246.
- आत्मनिर्भरता, शिक्षा की चाह और सामाजिक बदलाव की प्रेरणा35.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी स्त्री संघर्ष, श्रमिक जीवन और सामाजिक यथार्थ को समझ सकेंगे234.
- पाठ में आए सामाजिक मुद्दों की पहचान और विश्लेषण कर सकेंगे24.
- आत्मकथा के शिल्प, भाषा और संवेदनशीलता का मूल्यांकन कर सकेंगे25.
- समाज में स्त्री की स्थिति और बदलाव की आवश्यकता को आत्मसात करेंगे35.
- आत्मनिर्भरता और शिक्षा के महत्व को व्यवहार में लाने की प्रेरणा पाएंगे35.

Pedagogical strategies:

- पाठ का वाचन, भावार्थ और मुख्य घटनाओं की चर्चा कराना25.
- समूह चर्चा: स्त्री संघर्ष, घरेलू हिंसा और सामाजिक उपेक्षा पर विचार-विमर्श34.
- आत्मकथा और कथा साहित्य में अंतर स्पष्ट करना.
- रचनात्मक लेखन: "अगर मैं बेबी हालदार की जगह होती..." विषय पर अनुच्छेद.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स के माध्यम से श्रमिक जीवन का अनुभव कराना.

Integration with other subjects:

- समाजशास्त्र में स्त्री अध्ययन और श्रमिक वर्ग का विश्लेषण.
- इतिहास में सामाजिक सुधार आंदोलनों से जोड़ना.
- नैतिक शिक्षा में आत्मनिर्भरता और साहस की चर्चा.
- अंग्रेज़ी में Autobiographical Literature से तुलना.
- कला में श्रमिक जीवन और संघर्ष के चित्रांकन.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (संघर्ष, सामाजिक यथार्थ, चरित्र).
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) पाठ के मुख्य बिंदुओं पर.
- आत्मकथा और कथा साहित्य के अंतर पर प्रश्न.
- रचनात्मक लेखन: श्रमिक जीवन या स्त्री संघर्ष पर अनुच्छेद.
- पाठ में आए प्रतीकों, भाषा और संवेदनशीलता की पहचान.

Resources /digital/ physical:

- NCERT कृतिका भाग-1 पाठ्यपुस्तक.
- श्रमिक जीवन पर ऑडियो-वीडियो क्लिप्स.
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका.
- सामाजिक मुद्दों के पोस्टर/चित्र.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- समाज में श्रमिक वर्ग और स्त्रियों की समस्याओं पर चर्चा.
- आत्मनिर्भरता और शिक्षा के लिए प्रेरणादायक उदाहरण खोजना.
- सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता अभियान.
- श्रमिकों के अधिकार और सम्मान के लिए सुझाव देना.
- व्यक्तिगत जीवन में साहस और आत्मनिर्भरता अपनाना.

21st century skills, value education, vocational skills:

- आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच का विकास.
- संवाद, टीमवर्क और सहानुभूति कौशल.
- डिजिटल साक्षरता (ऑडियो-वीडियो संसाधनों का उपयोग).

- नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता.
- जीवन कौशल: समस्या समाधान, नेतृत्व और प्रेरणा.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने स्त्री संघर्ष, श्रमिक जीवन और सामाजिक यथार्थ को समझा.
- कुछ छात्रों को आत्मकथा की शैली और संवेदनशीलता की व्याख्या में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- आत्मकथा और कथा साहित्य के अंतर को सरल उदाहरणों से समझाना.
- सामाजिक कुरीतियों और स्त्री संघर्ष की पुनरावृत्ति.
- आत्मनिर्भरता और शिक्षा के महत्व को व्यावहारिक उदाहरणों से स्पष्ट करना.

Number of periods: 3

Name of chapter: आओ मिलकर बचाएँ (निर्मला पुतुल)

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11
Subject: हिंदी (आरोह भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *आदिवासी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ाव की रक्षा*

Concept 2: संसाधन पूल – *शहरीकरण, आधुनिकता और सांस्कृतिक संकट*

Concept 3: स्वयं – *सामाजिक विश्वास, उम्मीद और जीवन मूल्यों का संरक्षण*

Name of chapter: आओ मिलकर बचाएँ (निर्मला पुतुल)
Number of periods required: 3

Concepts:

- आदिवासी समाज की सादगी, भोलापन, प्रकृति प्रेम और परिश्रमशीलता की रक्षा का आह्वान.
- शहरी सभ्यता के दुष्प्रभाव, संस्कृति के क्षरण और प्राकृतिक संसाधनों के विनाश का चित्रण.
- विश्वास, उम्मीद, सपने, गीत, परंपरा, और सामाजिक जीवन के सकारात्मक तत्वों को बचाने की आवश्यकता1234.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी कविता में आदिवासी संस्कृति, प्रकृति प्रेम और संकट को समझ सकेंगे.
- शहरीकरण के प्रभाव और सांस्कृतिक क्षरण की पहचान कर सकेंगे.
- कविता के प्रतीकों, भाषा और शैली का विश्लेषण कर सकेंगे.
- सामाजिक विश्वास, उम्मीद और जीवन मूल्यों की आवश्यकता को आत्मसात करेंगे.
- कविता का भावार्थ, संदर्भ-व्याख्या और सामाजिक संदेश स्पष्ट कर सकेंगे.

Pedagogical strategies:

- कविता का वाचन, भावार्थ और संदर्भ-व्याख्या कराना.
- समूह चर्चा: संस्कृति, प्रकृति और शहरीकरण के प्रभाव पर विचार-विमर्श.
- कविता में आए प्रतीकों, बिंबों और भाषा की पहचान कराना.
- रचनात्मक लेखन: “हमारी संस्कृति में क्या बचाना जरूरी है?” विषय पर अनुच्छेद.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स के माध्यम से कविता का अनुभव कराना9.

Integration with other subjects:

- समाजशास्त्र में आदिवासी समाज और सांस्कृतिक अध्ययन.
- भूगोल में प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण संरक्षण का महत्व.
- नैतिक शिक्षा में विश्वास, उम्मीद और जीवन मूल्यों की चर्चा.
- अंग्रेज़ी में Cultural Poems से तुलना.

- कला में आदिवासी जीवन, प्रकृति और संस्कृति का चित्रांकन.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (भावार्थ, विश्लेषण, प्रतीक).
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) कविता के मुख्य बिंदुओं पर.
- कविता का सारांश और संदर्भ-व्याख्या लिखना.
- रचनात्मक लेखन: संस्कृति/प्रकृति संरक्षण पर अनुच्छेद.
- कविता में आए प्रतीकों और बिंबों की पहचान पर प्रश्न.

Resources /digital/ physical:

- NCERT आरोह भाग-1 पाठ्यपुस्तक.
- कविता की ऑडियो-वीडियो क्लिप्स9.
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका.
- आदिवासी जीवन और संस्कृति के पोस्टर/चित्र.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं की रक्षा के प्रयास.
- पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जागरूकता.
- विश्वास, उम्मीद और सामाजिक सहयोग के उदाहरण साझा करना.
- विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन.
- स्थानीय बोली, गीत, परंपरा के संरक्षण के लिए प्रयास.

21st century skills, value education, vocational skills:

- सांस्कृतिक संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास.

- संवाद, टीमवर्क और नेतृत्व कौशल.
- आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच.
- डिजिटल साक्षरता (ऑडियो-वीडियो संसाधनों का प्रयोग).
- पर्यावरणीय नैतिकता और सांस्कृतिक संरक्षण के व्यावसायिक कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने कविता के सांस्कृतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय संदेश को समझा.
- कुछ छात्रों को प्रतीकों, बिंबों और सांस्कृतिक संदर्भों की व्याख्या में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- कविता के भावार्थ और सांस्कृतिक प्रतीकों की पुनरावृत्ति.
- शहरीकरण के प्रभाव और संस्कृति संरक्षण के उदाहरणों से स्पष्ट करना.
- कविता की भाषा, शैली और सामाजिक संदेश को अभ्यास के माध्यम से समझाना.

Number of periods: 3

Name of chapter: भारत माता (जवाहरलाल नेहरू)

Name of teacher: [अपना नाम लिखें]

Designation: PGT (Hindi)
Class: 11

Subject: हिंदी (आरोह भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी.)

Source of lesson plan: स्वयं एवं NCERT पाठ्यपुस्तक, शिक्षक संसाधन

Concept 1: स्वयं – *'भारत माता' की अवधारणा: नेहरू का दृष्टिकोण*

Concept 2: संसाधन पूल – *राष्ट्रवाद, जनता और भारत माता की जय का सही अर्थ*

Concept 3: स्वयं – *भारत की विविधता, एकता और सामाजिक सरोकार*

Name of chapter: भारत माता (जवाहरलाल नेहरू)

Number of periods required: 3

Concepts:

- नेहरू के अनुसार 'भारत माता' का अर्थ देश के करोड़ों-करोड़ लोगों की जय है, न कि केवल भूभाग, पर्वत या नदियाँ1345.
- भारत माता की जय का नारा दरअसल भारत की जनता को आज़ादी, खुशहाली और सम्मान दिलाने की आकांक्षा है1345.
- भारत की विविधता, एकता, सामाजिक समस्याएँ और स्वतंत्रता संग्राम का यथार्थ चित्रण.

Learning outcomes (NCERT):

- विद्यार्थी 'भारत माता' की नेहरूवादी अवधारणा को स्पष्ट कर सकेंगे.
- राष्ट्रवाद और देशभक्ति के सही अर्थ को समझ सकेंगे.
- भारत की विविधता, एकता और सामाजिक सरोकारों की पहचान कर सकेंगे.
- पाठ का भावार्थ, संदर्भ-व्याख्या और सामाजिक संदेश लिख सकेंगे.
- स्वतंत्रता संग्राम और किसानों की समस्याओं से जुड़ी ऐतिहासिक समझ विकसित करेंगे.

Pedagogical strategies:

- पाठ का वाचन, भावार्थ और संदर्भ-व्याख्या कराना.
- समूह चर्चा: 'भारत माता' की विभिन्न अवधारणाएँ और नेहरू का दृष्टिकोण.
- भारत की विविधता, एकता और सामाजिक समस्याओं पर विचार-विमर्श.
- रचनात्मक लेखन: "मेरे लिए भारत माता का अर्थ" विषय पर अनुच्छेद.
- ऑडियो-वीडियो क्लिप्स के माध्यम से नेहरू के विचारों का अनुभव कराना.

Integration with other subjects:

- इतिहास में स्वतंत्रता संग्राम और किसानों की समस्याएँ.
- नागरिक शास्त्र में राष्ट्रवाद, संविधान और नागरिक अधिकार.
- समाजशास्त्र में विविधता और सामाजिक एकता का अध्ययन.

- अंग्रेज़ी में Nationhood और National Identity पर चर्चा.
- कला में भारत माता और विविधता के पोस्टर/चित्रांकन.

Assessment (item format):

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (भावार्थ, विश्लेषण, अवधारणा).
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) पाठ के मुख्य बिंदुओं पर.
- 'भारत माता' की अवधारणा पर वर्णनात्मक प्रश्न.
- रचनात्मक लेखन: भारत माता की जय का सही अर्थ.
- पाठ में आए प्रतीकों और ऐतिहासिक सन्दर्भों की पहचान.

Resources /digital/ physical:

- NCERT आरोह भाग-1 पाठ्यपुस्तक.
- नेहरूजी के भाषणों की ऑडियो-वीडियो क्लिप्स.
- भारत की विविधता और स्वतंत्रता संग्राम के पोस्टर/चित्र.
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिका.
- डिजिटल क्विज़ एवं अभ्यास पोर्टल.

Extension/real life applications:

- भारत की विविधता और एकता के उदाहरण साझा करना.
- सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए विचार प्रस्तुत करना.
- स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा/अध्ययन.
- राष्ट्र के प्रति कर्तव्य और जिम्मेदारी पर चर्चा.
- भारत माता की अवधारणा को सामाजिक समरसता से जोड़ना.

21st century skills, value education, vocational skills:

- आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच का विकास.
- संवाद, टीमवर्क और नेतृत्व कौशल.
- डिजिटल साक्षरता (ऑडियो-वीडियो संसाधनों का उपयोग).
- नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिकता.
- अभिव्यक्ति, प्रस्तुति और प्रेरणा देने के कौशल.

Post teaching reflection:

- विद्यार्थियों ने 'भारत माता' की नेहरूवादी अवधारणा, विविधता और सामाजिक सरोकारों को समझा.
- कुछ छात्रों को अवधारणा और ऐतिहासिक संदर्भों की व्याख्या में सहायता की आवश्यकता रही.

Planning for remedial teaching (concepts for which remedial classes are required):

- 'भारत माता' की अवधारणा और राष्ट्रवाद की पुनरावृत्ति और सरल व्याख्या.
- ऐतिहासिक सन्दर्भों और सामाजिक समस्याओं को उदाहरणों से स्पष्ट करना.
- पाठ की भाषा, प्रतीकों और सामाजिक संदेश को अभ्यास के माध्यम से समझाना.

Number of periods: 3